साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 38 | जौनपुर, मंगलवार, 24 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

आप विधायक अमानतुल्ला खान को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आप विधायक अमानतुल्ला खान की न्यायिक हिरासत 7 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में अपना मेडिकल रिकॉर्ड ले जाने की इजाजत दे दी है। जेल में इलेक्ट्रिक कैटल और ग्लूकोज मीटर ले जाने की इजाजत मांगने वाली अर्जी पर कोर्ट ने जेल अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। अदालत इस अर्जी पर 25 सितंबर को सुनवाई करेगी। उन्हें 2 सितंबर को ईडी ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। इससे पहले राउज एवेन्यू कोर्ट ने आप विधायक अमानतुल्ला खान को 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। सुनवाई के दौरान ईडी ने खान की 14 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग करते हुए कहा था कि आरोपी से आगे हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है और उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जाना चाहिए। ईडी ने अदालत से कहा कि रिहा होने पर खान गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं और जांच में बाधा डाल सकते हैं। वहीं, ओखला से आम आदमी पार्टी (आप) विधायक अमानतुल्ला खान ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया था। खान को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत दो सितंबर को हिरासत में लिया गया था।

10 सालों में सरकार ने स्थापित किए कई कीर्तिमान – सीएम धामी

उत्तराखंड, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भाजपा के चुनाव प्रचार के लिए हरियाणा पहुंचे। सीएम धामी ने पंचकूला में भाजपा प्रत्याशी ज्ञान चंद गुप्ता के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता ने पुष्कर सिंह धामी का भव्य स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिससे पूरे हरियाणा की तस्वीर बदल गई है। चाहे वह सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल से जुड़े मुद्दे हों या बुनियादी ढांचे का क्षेत्र हो, हरियाणा में हर क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुआ है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि एक बात स्पष्ट हो गई है कि हरियाणा में फिर से भाजपा की सरकार बनने वाली है, फिर से कमल खिलने वाला है...आपका वोट हरियाणा की दिशा और दशा बदलने का काम करेगा...प्रधान मंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में हरियाणा में चौमुखी विकास हुआ है।

हमें ऐसा ग्लोबल डिजिटल गवर्नेंस चाहिए, जिससे राष्ट्रीय संप्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रहे – मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने 79वें संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र को संबोधित करते हुए कई मुद्दों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अफ्रीकन यूनियन को नई दिल्ली समिट में जी–20 की स्थायी सदस्यता दी गई, जो एक महत्वपूर्ण कदम था। समिट ऑफ द फ्यूचर को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए के लिए एक तरफ आतंकवाद जैसा बड़ा खतरा है, तो दूसरी तरफ साइबर स्पेस जैसे संघर्ष के नए– नए मैदान भी बन रहे हैं। इन सभी विषयों पर मैं जोर देकर कहूंगा कि वैश्विक कार्रवाई वैश्विक महत्वाकांक्षा से मेल खानी चाहिए। भारत के लिए 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' एक कमिटमेंट है। अफ्रीकन यूनियन को नई दिल्ली समिट में जी–20 की स्थायी सदस्यता इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। हमें ऐसी ग्लोबल डिजिटल गवर्नेंस चाहिए, जिससे राष्ट्रीय संप्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रहे। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे कहा, सतत विकास को प्राथमिकता दी गई।

भाजपा सरकार में योजनाओं का लाभ जनता को मिल रहा - सीएम

मिर्जापुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मीरजापुर में 127 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे न केवल लोगों को ताजा पानी मिलेगा, बल्कि जल जनित बीमारियों को खत्म करने के लिए भी योजनाओं के नये मानक स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। यूपी सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि पहले योजनाओं को ठीक से लागू नहीं किया जाता था, उन्होंने दावा किया कि कुछ योजनाओं का लाभ किसे मिलेगा, इसमें भेदभाव था। योगी ने कहा कि मौजूदा सरकार में सब कुछ बदल गया है और सभी योजनाओं से गरीबों, किसानों और महिलाओं को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि मीरजापुर की पहचान माँ विंध्यवासिनी का पावन धाम भव्य और दिव्य रूप ले चुका है। उन्होंने आदे कहा कि मीरजापुर में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हो चुका है। माँ विंध्यवासिनी के धाम में विश्वविद्यालय निर्माण के कार्यक्रम को हम लोगों ने आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, पेयजल हो, कनेक्टिविटी हो या तकनीकी शिक्षा. ..आपके जीवन में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए ये परियोजनाएं आपको उपलब्ध करवाई जा रही हैं। विपक्ष पर वार करते हुए योगी ने कहा कि जाति का खेल खेलने वालों को विकास अच्छा नहीं लगता।

उन्होंने कहा कि 2017 के पहले माफिया सक्रिय थे और समानांतर सरकार चला रहे थे। प्रशासन सैल्यूट करने को मजबूर था।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आज ये माफिया गिड़गिड़ा रहे हैं। जो लोग जाति का नंगा खेल खेलते हैं, समाज को लड़ाते हैं. ये वही लोग हैं, जो दंगाइयों के सामने नाक रगड़ते थे। जब प्रदेश आगे बढ़ रहा है तो इन्हें विकास कैसे अच्छा लग सकता है? ये लोग बैरियर लगा रहे हैं।

जाति और धर्म के नाम पर लोगों को बांटने की हो रही कोशिश - हेमंत सोरेन

रांची, एजेंसी। तोरपा में आपकी सरकार आपके द्वार 2024 कार्यक्रम में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। हेमंत सोरेन ने कहा कि बीजेपी वोट लूटने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को झारखंड में प्रवेश कराने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि उनके बड़े–बड़े नेता यहां आ रहे हैं और वे लोगों को जाति और धर्म के आधार पर बांटने में माहिर हैं, लेकिन हमारी एकता और यह बहादुर राज्य कभी किसी के सामने नहीं झुका है। उन्होंन लोगों से साफ तौर पर कहा कि आपको किसी से डरने की जरूरत नहीं है। वहीं, एक्स पोस्ट में हेमंत ने लिखा कि आज आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत खूंटी में खूंटी और सिमडेगा जिले की जनता के बीच शामिल हुआ। इस अवसर पर परिसंपत्तियों के वितरण के साथ–साथ योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करने का भी अवसर मिला। 2021 में खूंटी की वीर भूमि उलिहातु से ही हमने आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। आज इस कार्यक्रम के चौथे चरण में हम सभी हैं। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने 2019 में हमें जो जिम्मेदारी दी, उसका निर्वहन हम लोग कर रहे हैं। आप सभी ने मुझे राज्य का मुखिया बनाया। 2019 से लेकर अब तक कई चुनौतियां हमने देखी है। सरकार गठन के बाद दो वर्ष हम कोरोना महामारी में जीवन और जीविका बचाने में लगे रहे। उस बीच आपकी सरकार आप सभी के लिए कार्य करती रही। किसी की मौत भूख से नहीं हुई। मुझे याद

है आज भी वह दिन, जब गांव में दीदियों ने संक्रमण काल में लोगों को खाना बनाकर खिलाने का काम किया। उस समय मैंने संकल्प लिया था कि मैं राज्य की महिलाओं को सशक्त करूंगा। दूसरी ओर झारखंड में भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने हेमंत सरकार पर बड़ा वार किया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि झारखंड की माताएं, बहनें, बेटियां अपील कर रही हैं कि झारखंड की माटी, रोटी, बेटी संकट में है।

माटी मतलब विदेशी घुसपैठियां आ रहे हैं, बेटी मतलब बेटियां सुरक्षित नहीं है और रोटी मतलब रोजगार नहीं है और इसलिए वो अपील कर रही हैं कि माटी, रोटी, बेटी बचा लीजिए। मैं अपनी बहनों को भाजपा की ओर से कहना चाहता हूं कि हम माटी, रोटी, बेटी को सुरक्षित करेंगे.. .भाजपा का संकल्प है कि हम रोजगार भी देंगे और विदेशी घुसपैठ नहीं होने देंगे। उन्होंने आगे कहा कि सोरेन सरकार झारखंड में घुसपैठ करा रही है।

घुसपैठिये रोजगार छीनने का काम कर रहे हैं, हमारी रोटी खतरे में है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि झारखंड की माटी, बेटी और रोटी को सुरक्षित भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही करेगी। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार रेत लूटने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं आज भारतीय जनता पार्टी की तरफ से आपको वचन देता हूं कि झारखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हर गरीब को पक्का मकान दिया जाएगा। गरीबों को मकान बनाने के लिए रेत फ्री में देंगे।

पंजाब कैबिनेट का हुआ विस्तार

पंजाब, एजेसी। भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब कैबिनेट में फेरबदल हुआ, जिसमें रवजोत सिंह समेत आप विधायकों को टीम में शामिल किया गया। आप विधायक डॉ. रवजोत सिंह, मोहिंदर भगत समेत अन्य ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। शपथ समारोह शाम पांच बजे राजभवन में हुआ।

पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 में आप ने 92 सीटें जीतकर भारी जीत दर्ज की और अपने अधिकांश प्रतिद्वंद्वियों को किनारे कर दिया। इससे पहले 12 सितंबर को पंजाब सरकार ने बड़े फेरबदल में 38 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों और एक पंजाब सिविल सेवा (पीसीएस) अधिकारी का तबादला किया था। 7 सितंबर को चंडीगढ़ में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में बोलते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी युवाओं को नौकरी की सुरक्षा का भरोसा दिलाया और पिछली सरकार पर राज्य के युवाओं के प्रति विचारशील न होने का आरोप लगाया। सरकार के अनुसार, समारोह के दौरान कुल 293 नियुक्ति पत्र दिए गए। इनमें से 263 स्वास्थ्य विभाग, 9 तकनीकी शिक्षा और अन्य 21 जल आपूर्ति विभाग के तहत थे।

जम्मू–कश्मीर से मेरा खून का रिश्ता – राहुल गांधी

जम्मू–कश्मीर, एजेंसी। जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि आपको जल्द से

जल्द अपना राज्य का दर्जा वापस मिले। हम सबसे पहले भाजपा पर आपका राज्य का दर्जा वापस देने के लिए दबाव डालेंगे, अगर वे आपको यह नहीं देते हैं तो मैं आपको गारंटी देता हूं कि हम आपको आपका राज्य का दर्जा वापस देंगे क्योंकि यह आपका अधिकार है, आपका लोकतांत्रिक अधिकार है और आपको इसे उन्हें देना होगा। केंद्र पर वार करते हुए राहुल ने कहा कि उन्होंने यहां एक राजा बना दिया है। उपराज्यपाल राजा हैं, वह बाहरी व्यक्ति हैं और जम्मू–कश्मीर से नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर के लोग जो विकास चाहते हैं, ये व्यक्ति वो नहीं कर सकता। उसे पता नहीं है कि यह कैसे करना है। उन्होंने कहा कि भारत में संघ शासित प्रदेशों को राज्य बनाया गया। राज्यों का विभाजन कर दिया गया। मध्य प्रदेश को विभाजित करके छत्तीसगढ़ बनाया गया, बिहार को विभाजित करके झारखंड बनाया गया, और आंध्र प्रदेश को विभाजित करके तेलंगाना बनाया गया। लेकिन, भारत के इतिहास में कभी किसी राज्य को यूटी नहीं बनाया गया। उन्होंने बार–बार कहा कि पहली बार राज्य के लोगों के अधिकार छीन कर उसे यूटी बना दिया गया हौ। आपके साथ अन्याय हुआ है, आपके लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिए गए हैं और मैं चाहता हूं कि आपको जल्द से जल्द राज्य का दर्जा मिले। उन्होंन लोगों से कहा।

हरियाणा की बेटियों के लिए राज्य सरकार ने शुरू की नई स्कीम

हरियाणा, एजेसी। हरियाणा में लड़कियों का जन्म प्रतिशत लड़कों के मुकाबले काफी कम देखने को मिलता है। ऐसे में राज्य में बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार की तरफ से हरियाणा लाडली योजना की शुरूआत की गई थी। राज्य में शुरू की गई लाडली योजना के तहत हरियाणा की बेटियों को 5000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। बता दें कि हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर द्वारा इस योजना की शुरूआत की गई थी। इस योजना का तहत उन बेटियों को 5000 रुपए की राशि मिलती है, जिनका जन्म 30 अगस्त 2005 के बाद हुआ हो। वहीं इससे पहले जन्म लेने वाली लड़कियों को इसका लाभ नहीं मिल पाएगा। इस योजना का लाभ पाने वाले दो बेटियों वाले अभिभावकों को दूसरी बेटी के जन्म के बाद उसके 5 साल होने के बाद हर साल 5000 रुपए की रकम दी जाएगी। लेकिन परिवार की इनकम

2 लाख से ज्यादा नहीं होना चाहिए। बेटियों को दी जाने वाली मदद किसान विकास पत्र के माध्यम से दी जाएगी। जब बेटी की उम्र 18 साल की हो जाएगी, तो उनको यह पैसे दिए जाएंगे। हर साल 5000 रुपए के हिसाब से दिया जाएगा। हरियाणा लाडली योजना के तहत डॉक्यूमेंट्स में बीपीएल राशन कार्ड, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, बैंक खाता पासबुक, मां–बाप का पासपोर्ट साइज फोटो, मां–बाप का पहचान पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र आदि शामिल है। इस योजना के लिए अप्लाई करने वाले आवेदकों का हरियाणा राज्य का स्थाई निवासी होना चाहिए। जिन लोगों की दो बेटियां हैं उनको इस योजना का फायदा मिलेगा। राज्य के गरीब परिवार की बेटी इस योजना के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। हालांकि आवेदन करने वाले को बेटी का जन्म प्रमाण पत्र देना जरूरी है। हरियाणा लाडली योजना के लिए अप्लाई करने के लिए आप अपने नजदीकी सरकारी हॉस्पिटल, आंगनबाड़ी केंद्र या बीमा कार्यालय से भी आवेदन कर सकते है। इसके साथ ही आप महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से भी अप्लाई कर सकते हैं।

विकास की चुनौतियां दूर करना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी - लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद भवन परिसर में आयोजित 10वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के पूर्ण सत्र की अध्यक्षता करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधानमंडलों की कार्यकुशलता और कार्यप्रणाली में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल दिया। साथ ही कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाएं कार्यपालिका की जवाबदेही एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करके शासन को अधिक जिम्मेदार व कुशल बनाती हैं। उन्होंने कहा कि समावेशी विकास के मार्ग में आने वाली चुनौतियों और बाधाओं का समाधान करना जनप्रतिनिधियों व विधायी निकायों की जिम्मेदारी है। सतत एवं समावेशी विकास में विधायी निकायों की भूमिका विषय पर आयोजित अधिवेशन में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत

का संविधान समावेशी शासन की भावना का सबसे सशक्त उदाहरण है।

ऐतिहासिक कानूनों से तेज हुई विकास की गति

उन्होंने कहा कि भारत की संसद द्वारा पारित ऐतिहासिक कानूनों से भारत में विकास की गति तेज हुई है और इससे भारत की प्रगति और अधिक समावेशी हुई है, जिसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। विधायी संस्थाओं के सहयोग और समर्थन के बिना आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव नहीं होगा। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों और विधायकों से आग्रह किया कि वे इस बात पर चिंतन करें कि पिछले सात दशकों की यात्रा में देश के विधायी निकाय के रूप में वे लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में कहां तक सफल रहे हैं। इस आत्ममंथन के बिना समावेशी विकास का सपना साकार नहीं हो सकता। इस अवसर पर राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश और राज्य विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारी भी उपस्थित थे।

झारखंड में सत्ता में आने पर सरकारी क्षेत्र में 2.87 लाख से अधिक रिक्ति पद भरेगी भाजपा – शिवराज

झारखंड, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि झारखंड में यदि भारतीय जनता पार्टी अगली सरकार बनाती है तो राज्य में सरकारी क्षेत्र में खाली पड़े 2.87 लाख से अधिक पदों को भरा जाएगा। भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' के तहत पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए चौहान ने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार अपने शासनकाल में नौकरियां देने में विफल रही है। झारखंड के पार्टी चुनाव प्रभारी चौहान ने कहा, ''सरकारी क्षेत्र में 2.87 लाख से ज्यादा पद खाली हैं। मैं वादा करता हूं कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो हमारी सरकार पहली ही कैबिनेट मीटिंग में सभी खाली पदों को भरने के प्रस्ताव को मंजूरी देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार ने हर साल पांच लाख नौकरियां देने का वादा किया था लेकिन उसे पूरा नहीं किया।

चौहान ने आरोप लगाया, ''चुनाव नजदीक हैं, ऐसे में झामुमो नीत सरकार ने भर्ती के नाम पर अभ्यर्थियों की शारीरिक परीक्षा कराई जिसमें 15 युवकों की मौत हो गई। यह महज घटना नहीं बल्कि हत्या का मामला है।'' उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत गठबंधन की सरकार में राज्य की 'माटी, बेटी और रोटी' सुरक्षित नहीं हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''घुसपैठिए यहां लोगों की जमीन कब्जा रहे हैं। उन्हें राज्य से बाहर करने के बजाय हेमंत सोरेन सरकार उन्हें आमंत्रित करती है और उनके नाम मतदाता सूची में जोड़ती है तथा उन्हें आधार कार्ड दिलाती है ताकि उनका वोट मिल सके। भाजपा यह बर्दाश्त नहीं करेगी। हम सत्ता में आए तो उन्हें झारखंड से बाहर कर देंगे।'' चौहान ने कहा कि एक राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) भी बनाई जाएगी और अवैध प्रवासियों की पहचान कर उन्हें उनके देश वापस भेजा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार रेत लूटने में शामिल है। झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी भाजपा छह 'परिवर्तन यात्राएं' निकालेगी और लोगों से संपर्क साधेगी।

संपादकीय

सौंदर्य प्रसाधन

ऐसे समय में जब लोगों की संख्या के बराबर ही सौंदर्य प्रसाधन भी हैं, अमेरिकी पॉप आइकन डॉली पार्टन ने यह कहकर दुनिया को चौंका दिया है कि उनकी स्किनकेयर रूटीन में मुख्य रूप से कोल्ड क्रीम शामिल है। अगर आपको लगता है कि यह पुराने जमाने की बात है, तो आप सही हैं। इसे सबसे पहले प्राचीन ग्रीस में बनाया गया था। सदियों से, इसे सनबर्न से लेकर एक्जिमा तक हर तरह के उपचार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इन दिनों, यह अपनी गाढ़ी, तैलीय स्थिरता के कारण मेकअप रिमूवर के रूप में फिर से प्रचलन में है। कोल्ड क्रीम के फायदे चाहे जो भी हों या न हों, यह हमेशा बंगालियों के दिल के करीब रहेगी क्योंकि यह प्रिय बोरोलीन के पीछे की प्रेरणा थी। महोदय कृ भारत के अधिकांश गाँवों में भौगोलिक रूप से अलग–अलग क्षेत्रों में अलग–अलग जाति समूह रहते हैं। लेकिन जब घर या जमीन एक–दूसरे के बगल में होती है, तो विवाद होना तय है। जब दलित उत्पीड़न, जमीन हड़पने, जबरन मजदूरी या यौन उत्पीड़न का विरोध करते हैं – अत्याचार जो उन्हें ऐतिहासिक रूप से अपनी जाति की पहचान के कारण चुपचाप सहना पड़ता है – तो अक्सर उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ता है। इसलिए सामाजिक रूप से निर्मित बलात्कारों को पहचानना महत्वपूर्ण है, जैसा कि संपादकीय, अंधकार दिखाई देता है (22 सितंबर) में बताया गया है। महिलाओं का कथित सम्मान दलित परिवार को उसकी जगह दिखाने और यह स्थापित करने का अंतिम हथियार है कि सामंती स्वामी कौन है और कौन अधीन है। चूंकि बलात्कार को अपमान और अपमान के कृत्य के रूप में देखा जाता है, इसलिए पीड़ितों के कई परिवार चुप हो जाते हैं और रोजमर्रा के जातिगत उत्पीड़न का विरोध करना बंद कर देते हैं। लेकिन मुद्दा सिर्फ दलितों को चुप कराने का नहीं है जो अपने मौलिक अधिकारों और न्याय की मांग करते हैं। उच्च जाति के पुरुषों को लगता है कि दलित महिलाओं के शरीर पर उनका अधिकार है। जाति, या उस मामले में वर्ग भी महिलाओं के खिलाफ हिंसा का एक अभिन्न अंग है। इसे नजरअंदाज करना न सिर्फ मूर्खतापूर्ण होगा बल्कि ऐसे अपराधों के लिए मौन समर्थन भी होगा। पियाली बसाक, कलकत्ता महोदय – भारत में यौन हिंसा को समझने में जाति सबसे प्रासंगिक और सम्मोहक कारक है। दिसंबर 2012 में, राजधानी शहर में एक युवा, मध्यम वर्गीय, शिक्षित महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और उसे प्रताड़ित किया गया। इस वीभत्स घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया और महिलाओं के सम्मान और शारीरिक अखंडता की रक्षा करने में राज्य की विफलता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। पश्चिम बंगाल में हाल ही में एक डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के खिलाफ इसी तरह का आक्रोश देखा गया। लेकिन क्या किसी को याद है या पता है कि 2006 में महाराष्ट्र के खैरलांजी गांव में एक दलित महिला के साथ बलात्कार और उसके तीन बच्चों पर हमला किया गया था? ब्राह्मणवादी समाज ब्राह्मण और अन्य उच्च जाति, हिंदू महिलाओं को यौन रूप से शुद्ध मानता है और उनकी यौन शुद्धता की रक्षाधनियंत्रण का लक्ष्य रखता है। दलित महिलाओं को जाति और यौन शुद्धता के मानक ढांचे से बाहर रखा जाता है क्योंकि जाति व्यवस्था दलित महिला की कामुकता, शरीर और श्रम तक उच्च जाति के पुरुषों की पहुँच को मंजूरी देती है। दलित महिलाओं के खिलाफ स्थानिक जाति–आधारित यौन हिंसा को माफ कर दिया जाता है। उनका कृषि क्षेत्रों या निर्माण स्थलों पर यौन शोषण किया जाता है जहाँ वे आजीविका के लिए मेहनत करती हैं। जब वे जाति व्यवस्था का उल्लंघन करने के लिए दलितों को सबक सिखाना चाहते हैं, तो उन्हें बलात्कार का शिकार होना पड़ता है, नंगा घुमाया जाता है औरध या दबंग जातियों द्वारा उनकी हत्या कर दी जाती है। जाति पदानुक्रम एक महिला के मूल्य, उसकी गरिमा और यहां तक घ्कि उसके जीवन के अधिकार को भी निर्धारित करता है। यशोधरा सेन, कलकत्ता समस्याएं बहुत हैं महोदय – मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में चीतों को लाए जाने के दो साल बाद, देश में कम से कम 24 बड़ी बिल्लियाँ हैं। हालाँकि, प्रोजेक्ट चीता के लिए अभी भी शुरुआती दिन हैं। सभी जीवित अफ्रीकी जानवर और उनकी संतानें, वर्तमान में अनुकूलन बाड़ों में रहती हैं। चीते स्वतंत्र शिकारी हैं। उनके जीवित रहने की परीक्षा जंगल में होगी। कुनो का आखिरी स्वतंत्र चीता, पवन, अगस्त में रहस्यमय परिस्थितियों में डूब गया – परियोजना शुरू होने के बाद से अफ्रीका से लाया गया आठवां वयस्क जानवर मर गया। सुनील चोपड़ा, लुधियाना महोदय – प्रोजेक्ट चीता को परेशान करने वाली समस्याएँ केवल शुरुआती परेशानियाँ नहीं हैं। वे विशेषज्ञों की राय को नजरअंदाज करने से पैदा होते हैं। उदाहरण के लिए, अध्ययनों से पता चला है कि वन विभाग अफ्रीकी जानवरों के तौर–तरीकों से निपटने के लिए कम तैयार है। भारत एशियाई चीतों का घर था जो इसकी उष्णकटिबंधीय जलवायु के अनुकूल थे। अफ्रीकी बिल्लियाँ, अन्य बिल्लियों की तरह, भारत के गीले मानसून के विपरीत दक्षिण अफ्रीका में सर्दियों के महीनों की प्रत्याशा में सर्दियों के कोट विकसित करती हैं। पिछले साल, इस जलवायु विसंगति के कारण कीड़ों के संक्रमण के परिणामस्वरूप कई चीते मर गए। इस समस्या को कम करने के लिए क्या किया जा रहा है, इसके बारे में बहुत कम कहा गया है। बुकर पुरस्कार का भी यही हाल रहा है। इस साल बुकर के लिए चुने गए छह लेखकों में से पाँच महिलाएँ हैं, यह तथ्य इस प्रकार उत्साहजनक है।

अविभाजित भारत के युग के सबसे पवित्र व्यक्ति

आदित्य

मैं पाकिस्तान में केवल एक बार गया था, वह था 20 साल पहले वहां आयोजित होने वाले पहले सार्क साहित्य महोत्सव के लिए। हम वाघा से पैदल सीमा पार करके लाहौर पहुंचे। चूंकि मैं मीडिया से था, इसलिए डॉन अखबार ने मुझसे संपर्क किया और आतिथ्यपूर्वक पूछा कि क्या लाहौर में कुछ खास देखना या करना है। मैं सूफी संत मियां मीर (1550–1635) की दरगाह पर अपना सम्मान प्रकट करना चाहता था। वह जाहिर तौर पर एक अरब खलीफा के प्रत्यक्ष वंशज थे और सूफीवाद के कादिरी संप्रदाय से संबंधित थे। वह 25 साल की उम्र में लाहौर चले गए और वहीं बस गए। किंवदंती है कि मियां मीर को पांचवें सिख गुरु, गुरु अर्जन देव ने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर की आधारशिला रखने के लिए आमंत्रित किया था। गुरु अर्जन देव ने जाहिर तौर पर उनसे इसलिए पूछा क्योंकि यह भविष्यवाणी की गई थी कि उस युग के सबसे पवित्र व्यक्ति मंदिर की श्नीवश या नींव रखेंगे। चूंकि गुरु अर्जन देव ने मियां मीर को तत्कालीन अविभाजित पंजाब का वह व्यक्ति माना था, इसलिए उन्होंने उन्हें सम्मान देने के लिए आमंत्रित किया और सूफी सहमत हो गए। एक और कहानी यह है कि मुगल सम्राट जहांगीर पूरे शाही ठाठ–बाट के साथ संत के पास आए। लेकिन मियां मीर के द्वारपालों ने उन्हें गेट पर रोक दिया और उनसे कहा कि जब तक उनके गुरु अंदर आने की अनुमति न दें, तब तक प्रतीक्षा करें। जहांगीर नाराज हो गए। उनके जीवन में कभी किसी ने उन्हें इंतजार नहीं करवाया था। थोड़ी देर बाद, उन्हें मियां मीर की मौजूदगी में ले जाया गया। अपने आहत अहंकार को छिपाने में असमर्थ, जहांगीर ने मियां मीर के प्रवेश करते ही फारसी में कहा, ष्बा दर–ए–दरविस दरबाने न–बैदष जिसका अर्थ है श्एक फकीर के दरवाजे पर, कोई संतरी नहीं होना चाहिएश। मियां मीर ने जवाब दिया, "बाबैद केह सेज दुनिया न आयद", जिसका अर्थ है 'ताकि कोई भी प्रवेश न कर सके'। जहांगीर ने दक्कन पर आक्रमण की योजना के लिए आशीर्वाद मांगा। लेकिन ऐसा लगता है कि मियां मीर ने उसे आशीर्वाद देने से इनकार कर दिया। उन्होंने खुलेआम जहांगीर को लालची कहा, कहा कि उनके पास पहले से ही बहुत सारी जमीन है, लेकिन फिर भी उन्हें और चाहिए। हालांकि, इससे सूफी को कोई अप्रियता नहीं हुई क्योंकि उनकी आध्यात्मिक आभा ऐसी थी कि जहांगीर बस शर्मिंदा होकर चले गए। दिलचस्प बात यह है कि मियां मीर के शिष्य जहांगीर के पोते दारा शिकोह थे। वही दारा जिन्होंने अपने समय में अपने सम्मान और समझदारी से हिंदुओं के दिलों को जीता था, उन्होंने मियां मीर के अंतिम संस्कार का भाषण पढ़ा। संक्षेप में, इस तथ्य को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि दारा भारतीय इतिहास में एक बड़ा शक्तिशाली व्यक्ति है। अगर वह मई 1658 में औरंगजेब के खिलाफ सामूगढ़ की लड़ाई जीत जाता और अपने भाई की जगह मुगल सम्राट बन जाता, तो भारत को कभी भी यह सब सहना नहीं पड़ता विभाजन। जबकि औरंगजेब की सांप्रदायिक घृणा की हिंसक विरासत, जिसे ब्रिटिश फूट डालो और राज करो की नीति ने आगे बढ़ाया, 20वीं सदी के भारतीय राजनीतिक खिलाड़ियों की परस्पर विरोधी महत्वाकांक्षाओं के कारण अनसुलझी रही। घृणा की यह विरासत लगभग अनिवार्य रूप से विभाजन में परिणत हुई। इस तरह के विचार, स्वाभाविक रूप से, मियां मीर की दरगाह की ओर जाते समय मेरे दिमाग में आए। एक दक्कनी के रूप में, मैंने जहांगीर के खिलाफ मियां मीर के सैद्धांतिक रुख की सराहना की और उनकी दरगाह पर चढ़ाने के लिए फूल ले गया। इतने सालों बाद भी दरगाह पर गुलाब की मीठी खुशबू मेरे दिमाग में बनी हुई है। मैंने खुद को काफी भावुक पाया क्योंकि मैं दरगाह की शांतिपूर्ण आभा से गहराई से प्रभावित था। एक दक्षिण एशियाई के रूप में, मैं स्वीकार करता हूं कि कुछ पवित्र स्थान 'जागृत' या जीवित हैं और यदि आप भाग्यशाली हैं, तो आप अनहद नाद या ब्रह्मांड की छिपी धुन को सुन सकते हैं।

भारत के मंदिरों में ऐसा हो सकता है। कुछ लोगों से आप बहुत जुड़ाव महसूस करते हैं, कुछ खास तौर पर आपको छू नहीं पाते और कुछ जगहों पर तो माहौल आपको परेशान भी कर सकता है, जो भगवान की गलती नहीं बल्कि इंसान की गलती है। मुझे पहली बार मियां मीर का नाम रुडयार्ड किपलिंग की 1901 की किताब किम में मिला था, जो 20वीं सदी में भारतीय किताबों की अलमारियों में एक खास जगह थी। किम, नामचीन बेघर अनाथ नायक लाहौर का एक होशियार लड़का है जो तिब्बत के एक मासूम, दुनियादारी से दूर रहने वाले लामा से दोस्ती करता है। लामा तब अविभाजित भारत में घूम रहा था। किम खुद को लामा का संरक्षक नियुक्त करता है और वे लाहौर से अंबाला तक ट्रेन से जाने का फैसला करते हैं। किताब से उद्धृत करते हुए, 'लामा, जो ट्रेनों से उतना परिचित नहीं था जितना उसने दिखावा किया था, जैसे ही सुबह 3.25 बजे दक्षिण की ओर जाने वाली ट्रेन आई, वह चौंक गया। "यह ट्रेन है – केवल ट्रेन। रुको!" लामा की असीम सादगी से चकित होकर (उन्होंने उन्हें रुपयों से भरा एक छोटा बैग दिया था), किम ने अम्बाला के लिए टिकट मांगा और भुगतान किया। एक नींद में डूबा क्लर्क घुरघुराया और अगले स्टेशन के लिए टिकट फेंक दिया, जो सिर्फ छह मील दूर था। नहीं, किम ने मुस्कुराते हुए टिकट को स्कैन करते हुए कहा। यह किसानों के काम आ सकता है, लेकिन मैं लाहौर शहर में रहता हूँ। यह चतुराई से किया गया है, बाबू। अब अम्बाला के लिए टिकट दे दो। बाबू ने गुस्से से देखा और उचित टिकट दिया। कभी भी योगी को चेले की जरूरत नहीं पड़ी, जैसे तुम्हें है, किम ने भ्रमित लामा से कहा। ष्अगर मैं न होता तो वे तुम्हें मियां मीर में फेंक देते। यह किम ही था जिसने मियां मीर जाने में मेरी रुचि जगाई, क्योंकि मुझे यह किताब बहुत पसंद आई। अगर आप यह किताब पढ़ना चाहते हैं, क्योंकि किपलिंग की तरह 19वीं सदी में उत्तर भारत का कोई भी व्यक्ति हमें नहीं बताता, तो आप इसे नेट पर मुफ्त में पढ़ सकते हैं। जब मैंने मियां मीर के बारे में शोध करना शुरू किया, तो मुझे स्वर्ण मंदिर से जुड़ाव का पता चला। इससे मैं वहां जाने के लिए और भी उत्सुक हो गया क्योंकि मुझे स्वर्ण मंदिर बहुत पसंद है। मियां मीर जाने के बाद, मैंने अपने पिता के लिए किम की एक नई कॉपी खरीदी।

आपसी विवाद से उभरी हिंसा का परिणाम

संजय

मणिपुर इन दिनों फिर एक बार खबरों में है। म्यांमार से तरफ से करीब नौ सौ आतंकियों के प्रवेश की खबरें चर्चा में है जबकि राजधानी इम्फाल में दिन– दहाड़े एक कैबिनेट मंत्री के सहयोगी का अपहरण हो गया है। राज्य के पूर्व मुख्य सचिव के घर पर गोलीबारी हुई है, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री के घर से लेकर मंदिर एवं त्योहार इत्यादि सभी इससे निशाने पर हैं। दरअसल, ये सारा घटनाक्रम दो समुदायों के आपसी विवाद से उभरी हिंसा का परिणाम है। हालिया घटनाओं का क्रम भले एक सितंबर से शुरू है। एक तरह से देखा जाए तो यह हिंसा चक्र पिछले वर्ष से अनवरत् जारी है। इसे लेकर देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस केंद्र सरकार पर लगातार आक्रामक है। सवालों और आरोपों की यह झड़ी गृहमंत्री अमित शाह के एक वक्तव्य के बाद से कहीं अधिक बढ़ी है। दरअसल, मोदी सरकार के सौ दिन होने के उपलक्ष्य में गृहमंत्री मीडिया से मुखातिब थे। इस दौरान मणिपुर का जिक्र करते हुए उन्होंने बातचीत से समाधान की बात की है। वहीं जारी हिंसा को आतंकवाद नहीं अपितु जातीय हिंसा करार दिया है। इसके साथ ही स्थिति के नियंत्रण में होने का दावा करते हुए शांति बहाली के अपने संकल्पनाओं को भी पुनः दुहराया है। भारत म्यांमार सीमा पर तारबंदी का भी ब्यौरा दिया गया है। किंतु कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व अनुसार प्रधानमंत्री मोदी का अशांत मणिपुर में एक भी दौरा न करना जारी हिंसा और गतिरोध का सबसे बड़ा कारण है।बहरहाल, सियासत से इतर की बात करे तो मणिपुर की हालात वाकई चिंतापूर्ण है। संभवतः इसी की अभिव्यक्ति आरएसएस प्रमुख के वक्तव्य में थी। लोकसभा चुनाव उपरांत संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इसको लेकर एक टिप्पणी की थी, तब उन्होंने कहा था–

मणिपुर एक साल से शांति की राह देख रहा है। आवश्यकता प्राथमिकताओं के साथ इसके निराकरण की है। दरअसल, पिछले साल मई से जारी हिंसा की आग ने मणिपुर में जान माल का व्यापक नुकसान किया है। बात तत्कालीन घटनाक्रम कि करें तो यह सिलसिला ड्रोन बम हमलों के बाद शुरू हुआ है। एक सितंबर से कुकी आतंकी समूहों ने सुनियोजित धमाकों, हमलों की नई शुरुआत की है। ये हमले राज्य के पर्वतीय जिले से लेकर राजधानी के निकटवर्ती जनपदों तक हुए हैं। वहीं राजधानी इम्फाल भी इसके जद में है। सर्वाधिक दुखद बात ये है कि घातक हमले राजधानी इम्फाल के आसपड़ोस से हो रहे हैं। इस गणेश चतुर्थी को ऐसे ही हमले में मोइरांग अवस्थित एक मंदिर के पुजारी की मौत हो गई थी। वहीं मंदिर भी ध्वस्त हो गया। पुराने घटनाक्रमों को छोड़ भी दें तो भी हालिया घटनाएं बेहद दुखांत हैं। विष्णुपुर से लेकर जिरीबाम तक यह हिंसा जारी है। ये स्थान ऐतिहासिक होने के साथ आधारभूत ढांचा के विकास की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। जिरीबाम मणिपुर रेल परियोजना का एक महत्वपूर्ण पड़ाव के साथ ही प्रखर स्वतंत्रता सेनानी रानीमां गाइदिन्ल्यू का जन्म स्थान है। वे इस क्षेत्र के नागा जनजाति से आती थी। ऐसे में यहां हो रहे हिंसा के नाते नागा समुदाय के भी इसमें सहभागी हो जाने की प्रबल आशंका है। विदित् हो कि ये समुदाय अब तक इस हिंसाचक्र से पूर्णतया पृथक रहा है। ऐसे ही विष्णुपुर में हो रहे ड्रोन हमले सेना संग्रहालय के लिए भी एक खतरा है। यहां आजाद हिंद फौज के स्मृतिचिन्ह संग ऐतिहासिक पुरातन विष्णु मंदिर समूहों के भी नष्ट होने की आशंका है। दरअसल, राज्य में जारी हिंसा के बीच कुकी आतंकी संगठन सरेआम सैन्यबलों की वेशभूषा एवं कैस्पिर सैन्य वाहन के साथ घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में राजधानी इम्फाल में भी आक्रोश अपने चरम पर है, जिसकी परिणति राज्यपाल के अधिकृत निवास पर हमले के रूप में सामने है। वहीं मैतेई समुदाय के युवा एवं महिलाओं द्वारा हो रहे रोषपूर्ण प्रदर्शन भी कई बार हिंसक झड़पों में बदल जा रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई बार नागरिक तो कई मौकों पर सुरक्षा बल के जवान घायल हो जा रहे हैं। इस नाते सरकार ने युवाओं से ऐसी रैलियों से दूर रहने को कहा है। बात वर्तमान घटनाक्रम कि करें तो इसे समझने के लिए हिंसा के मूल कारणों को जानना बेहद जरूरी है। मणिपुर में हिंसा का सिलसिला पिछले वर्ष 3 मई को शुरू हुआ था। हिंसक घटनाक्रम के तत्कालीन कारण के तौर पर उच्च न्यायालय द्वारा मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने से संबंधित एक निर्णय को कारण बताया गया। राज्य के तीन में से दो समुदाय नागा एवं कुकी पूर्व से ही अनुसूचित जनजाति आरक्षण के लाभार्थी हैं। यह पूर्वोत्तर की विशेष परिस्थिति एवं मणिपुर के कुछेक पुराने कानूनों के नाते भी अत्यंत आवश्यक है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के त्रिपुरा राज्य में भी त्रिपुरी जाति को ऐसे ही विशेष परिस्थितियों का हवाला देते हुए आरक्षित वर्ग में स्थान दिया गया है। जनजातीय दर्जा यहां सरकारी सेवा के साथ ही कर मुक्त होने का भी एक अस्त्र है। वहीं मणिपुर में यह मैतेई समुदाय को सम्पूर्ण राज्य में कही भी बसने का अधिकार प्रदान कर सकता है। वर्तमान के भेदभाव पूर्ण कानून के नाते ये अपने ही गृह प्रदेश में सिवाय इम्फाल घाटी के कही भी संपत्ति का क्रय विक्रय नही कर सकते हैं। जबकि ये आधी आबादी से कही अधिक है वही इस भूमि के सबसे पुराने निवासी भी मैतेई ही है। विदित हो की इम्फाल घाटी कुल क्षेत्रफल का करीब दस प्रतिशत है जिस पर जनसंख्या वृद्धि एवं घनत्व में परिवर्तन का भी अतिशय दबाव है। यहां राजशाही एवं ब्रिटिश शासन के दौरान कुकी जनजाति एक छोटे से समुदाय के तौर पर मणिपुर के पहाड़ों में बसा करती थी। किंतु स्वतंत्रता उपरांत अदूरदर्शिता के नाते गलत तरीकों से नागरिकता लेकर सरकारी सुविधाओं के लाभार्थी कुकी लोगों की कुल वृद्वि दर करीब दो सौ प्रतिशत तक हो गयी है। म्यांमार से आने वाले इस समुदाय के ऊपर मादक पदार्थों के कारोबार से लेकर वन भूमि पर अवैध कब्जे तक के आरोप है। वहीं पूरा राज्य नशा कारोबार की जद में है और इस अवैध व्यापार के संचालन में कुकी समुदाय की भूमिका प्रमुख और प्रभावी है। अतएव मैतेई आरक्षण के मुद्दे पर कुकी समुदाय द्वारा राज्यव्यापी हिंसक प्रदर्शन शुरू हुए। जिसके बाद राज्य सरकार ने न्यायालय के दिशानिर्देशानुसार इस मुद्दे को केंद्र के पास भेज दिया था। दरअसल यह पूरा मसला गंभीरता पूर्वक विचार का भी है। वही मैतेई आरक्षण यहां के किसी दूसरे समुदाय के हितों पर चोट का मसला नहीं है। बल्कि यह विसंगतिपूर्ण कानून की मार झेल रहे आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर एक समुदाय विशेष के समुचित विकास का मुद्दा भर है। जिस पर सहानुभूति पूर्वक विचार की जरूरत थी। किंतु यहां समुदाय विशेष के हित ने सामुदायिक विद्वेष दुर्भावना का रूप ले लिया। कुकी समुदाय के बढ़ते अतिशय आबादी नाते भी यहां का वातावरण भय एवं आक्रोश से भरा है। इसी नाते मैतेई समुदाय द्वारा राष्ट्रीय नागरिक जनगणना वर्ष को सन् 1951 से ही करने की बात की जाती रही है। दरअसल यहां की जनसंख्या स्वरूप पूर्णतया बदल चुका है। यह भी विवादों का एक बड़ा कारण है। इसके अलावा सुसंस्कृत वैष्णव मैतेई हिंदूओं के आसपास कुकी इसाई चर्च द्वारा जारी आक्रामक गतिविधि एवं धर्मांतरण संबंधित उपक्रम भी इसका एक अन्य महत्वपूर्ण कारण है। ऐसे में इस हिंसा चक्र के प्रारंभ होने की पूरी संभावना थी। किंतु मणिपुर सरकार इसे रोक पाने में पूर्णतया असफल सिद्ध हुई है। कुकी बनाम मैतेई का यह विवाद इतना बढ़ा की सत्तर हजार से कही अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। लोकसभा चुनावों की घोषणाओं के बाद से हिंसा महज छिटपुट वारदातों तक सीमित थी। किंतु राहुल गांधी के जुलाई दौरे के बाद से ये पुनः सुलगने लगा है। दरअसल, इस यात्रा के दौरान उन्होंने केवल एक पक्ष विशेष कुकी समुदाय के साथ संवाद किया। वहीं स्वभाव के अनुरूप उनके द्वारा बोली गई गैरजिम्मेदारी पूर्ण बातों ने भी समुदायों के बीच वैमनस्यता बढ़ाने का काम किया है, जिसका असर आने वाले उत्तर पूर्व के कई राज्यों में देखने को मिलेगा। मैतेई हिंदुओं के संग जहां मणिपुर के पहाड़ों से लेकर मिजोरम एवं मेंघालय में पुनः उत्पीड़न शुरू होगा। वहीं असम के मैतेई बाहुल्य इलाके से लेकर मणिपुर के इम्फाल घाटी तक में इसकी कड़ी प्रतिक्रिया दिखेगी। दरअसल, मैतेई समुदाय एक सुसंस्कृत संघर्षशील एवं वीर जाति है, जिसका वर्तमान लिखित इतिहास ही ई.सन् से प्रारंभ होता है। इन्होंने म्यांमार पर शासन किया है। चीन की विशाल सेना को सन् 1631 में युद्ध भूमि पर बुरी तरह हराया है। यही नहीं पराजय के बावजूद इन्होंने आंग्ल मणिपुर युद्ध में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए थे। वहीं इतिहास के बुरे वक्त में इनकी महिलाओं ने नुपी लेन युद्ध द्वारा अंग्रेजों से लेकर देशी व्यापारियों तक के खाट खड़े किए है। ये वही लोग हैं जिनके दम पर आजाद हिंद फौज ने यहां स्वतंत्र भारत की सत्ता कायम की थी। यही नहीं यहां आईएनए का सैन्य मुख्यालय भी बना था। इसके साथ ही यह पूर्वोत्तर भारत में स्वतंत्रता पूर्व चले हिंदी प्रचार अभियान का शुरुआती केंद्र भी रहा है।

ऐसे बयान देकर विवादो में घिरती हुई कांग्रेस पार्टी

योगेंद्र

लगातार तीन बार लोकसभा चुनावों में हार के बावजूद कांग्रेस का अल्पसंख्यकों के प्रति मोह कम नहीं हुआ है। कांग्रेस ने लोकसभा सहित चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन में करारी शिकस्त खाने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस बयानों के जरिए यह साबित करने पर तुली हुई कि वह सही मायने अल्पसंख्यकों की खैरख्वाह है। ऐसी राजनीति की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी है। दो दशक पहले तक दबे–छिपे तरीके से हिन्दुओं की बात करने वाली भाजपा खुल कर सामने आ गई। इससे देश में हिन्दू–मुस्लिम मतदाताओं का स्पष्ट ध्रुवीकरण नजर आता है। अल्पसंख्यकों की हितैषी साबित करने के लिए कांगेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमरीका में सिक्खों की भारत में सुरक्षा को लेकर बयान देकर संगठन को मुश्किल में डाल दिया। पहले मुसलमानों और अब सिक्खों को लेकर दिए गए बयान से कांग्रेस भाजपा के निशाने पर आ गई। राहुल गांधी के बयान से खालिस्तान की मांग करने वाले पृथक्तावादी संगठन के प्रमुख गुरुपंत सिंह पन्नू को जहर उगलने का मौका मिल गया।

राहुल गांधी ने कहा था कि वो अल्पसंख्यकों को उनका हक दिलाने और उनको बैखौफ होकर जीने की आजादी दिलाने के लिए लड़ रहे हैं, उनकी लड़ाई इस बात की है कि भारत में सिखों को पगड़ी बांधने में डर न लगे, कड़ा पहनने से कोई न रोके, वे गुरुद्वारों में बेखौफ होकर जा सकें। इसके बाद खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी के बयान को बिल्कुल सही बताया। जो बात राहुल गांधी कह रहे हैं, वो बात पन्नू भी मानता है। राहुल और उसकी लाइन एक है। राहुल गांधी की खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने तारीफ कर दी। पन्नू ने एक बयान जारी करके कहा कि राहुल गांधी ने सिखों के बारे में जो कुछ बोला, उसमें खालिस्तान समर्थक संगठन श्सिख फॉर जस्टिसश की बात का समर्थन है। बड़ी बात ये है कि राहुल गांधी की बात को उस सिख नौजवान भलिंदर सिंह ने भी गलत बताया जिसका नाम पूछ कर वॉशिंगटन में राहुल ने भारत में सिखों की स्थिति के बारे में गलतबयानी की थी। भलिंदर सिंह विरमानी ने खुद सोशल मीडिया पर अपना वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने उनका नाम पूछकर सिखों को लेकर जो कमेंट किया, वो पूरी तरह गलत था। भलिंदर सिंह ने कहा कि वो खुद भारतीय हैं, कुछ दिनों के लिए अमेरिका आए हैं, उन्होंने भारत में कभी नहीं देखा कि किसी सिख को पगड़ी पहनने या कड़ा पहनने से रोका गया हो या किसी को गुरुद्वारे जाने में कोई दिक्कत हुई हो। देश में सिक्खों को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर की सर्वे रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई थी। प्यू रिसर्च सेंटर ने यह सर्वे 2019 से 2020 के बीच कराया था। इस सर्वे में महज 14 फीसदी सिखों ने ही माना था कि भारत में सिखों के साथ भेदभाव होता है। मगर अधिकतर सिखों का मानना था कि उन्हें भारत में कोई भेदभाव नहीं दिखता। इस रपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 फीसदी सिख खुद को भारतीय होने पर बहुत गर्व करते हैं। इतना ही नहीं, बहुमत यानी 70 फीसदी सिखों का मानना है कि जो व्यक्ति भारत का अनादर करता है, वो सिख हो ही नहीं सकता। वॉशिंगटन डीसी में राहुल गांधी ने दुनिया भर में भारत–विरोधी प्रचार करने वाली अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात की। इल्हान उमर डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता हैं, वो खुले तौर पर पाकिस्तान की हिमायती हैं, हर मंच पर भारत का विरोध करती हैं। राहुल गांधी अमेरिकी सांसदों के जिस प्रतिनिधिमंडल से मिले, उसमें इल्हान उमर को खासतौर पर बुलाया गया था। इल्हान उमर वही हैं, जिन्होंने 2022 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जाकर कहा था कि कश्मीर पर भारत का कोई हक नहीं है, भारत को कश्मीर छोडना ही पड़ेगा। जून 2023 में इल्हान उमर अमेरिका की संसद में भारत के खिलाफ एक प्रस्ताव लेकर आई थीं, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्रालय से अपील की गई थी कि वह भारत को एक ऐसा देश घोषित करे जहां पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन होता है, जहां मुसलमान सुरक्षित नहीं है। कांग्रेस के नेताओं के पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि राहुल गांधी पाकितान समर्थक इल्हान उमर से क्यों मिले? इल्हान तो हमेशा से भारत के खिलाफ रही हैं। कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग माना है। अनुच्छेद 370 पर राहुल गांधी का ढुलमुल रवैया रहा है। राहुल गांधी जम्मू कश्मीर के दौरे पर पार्टी नेताओं का फीडबैक लेने पहुंचे थे, तब भी वे अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर साइलेंट मोड में दिखे थे। हालांकि कांग्रेस जिस दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही उसका इस मुद्दे पर मत कुछ अलग है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने घोषणा पत्र में साफ कर दिया है कि अगर हमारी सरकार बनती है तो अनुच्छेद 370 और 35 ए की बहाली की जाएगी। हालांकि नेशनल कान्फ्रेंस किस आधार पर अनुच्छेद 370 की वापसी की बात कर रही है वो समझ से परे है। क्योंकि यह साधारण सी बात है कि केंद्र में सत्ता मिलने पर ही अनुच्छेद 370 की वापसी संभव हो सकती है। जाहिर सी बात है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस को केंद्र में बहुमत नहीं मिलने जा रहा है। धारा ३७० की तरह सीएए पर भी राहुल गांधी का रुख बदलता रहा है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार ने सिटिजनशिप अमेंटमेंट एक्ट लागू किया। कांग्रेस ने दिसंबर 2019 में सीएए के खिलाफ कांग्रेस बहुत बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया। जिसमें सोनिया गांधी, पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी सहित सैकड़ों पार्टी समर्थक राजघाट पर सत्याग्रह पर बैठे थे। लेकिन सीएए लागू होने के बाद चुनावों को देखते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी इस मुद्दे पर चुप्पी साध ली थी। लोकसभा चुनावों के दौरान केरल में सीएए एक बहुत बड़ा मुद्दा था।

केरल के कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यमंत्री पिनराय विजयन चुनाव अभियान के दौरान लगातार यह साबित करने में लगे रहे कि राहुल गांधी सीएए पर क्यों नहीं बोल रहे हैं। कांग्रेस और राहुल गांधी ने मौके–बेमौके अल्पसंख्यकों को लेकर गहरी चिंता जताई है, किन्तु कांग्रेसशासित राज्यों में अल्पसंख्यकों के भले के लिए क्या अतिरिक्त प्रयास किए गए, इसका खुलासा कभी नहीं किया गया।

जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत विकास तथा जिला स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत विकास तथा जिला स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला पंचायतराज अधिकारी से ग्राम पंचायत विकास के अंतर्गत होने वाले कार्यों के तहत जन उन्मुखीकरण, ग्राम सभा की बैठक का आयोजन, पारिस्थितिकी विश्लेषण, मनरेगा योजना आदि की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि ग्राम सभा की खुली बैठक की जाए, कार्य योजना तैयार की जाए एवं प्राथमिकता वाले कार्यों को कराया जाए। ग्राम पंचायत को सचिवालय में विकसित किया जाए।पंचायत सहायकों को आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु प्रेरित किया जाए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक ली। उन्होंने इससे जुड़े सभी विभागों जैसे पशुपालन, पंचायती राज विभाग, कृषि रक्षा, बेसिक शिक्षा विभाग, बाल एवं पुष्टाहार विभाग, संबंधित सभी विभागों से उनके कार्य योजना के संबंध में जानकारी ली और संबंधित को निर्देशित किया कि झाड़ियां काटे जाए, एंटी इंसेक्ट रेपेलेंट पौधे लगाया जाए, सफाई कराई जाए एंटीलार्वा का छिड़काव किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई, तेजा सीलम मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ लक्ष्मी सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कला अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम – उप शिक्षक निदेशक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में उप शिक्षा निदेशकध् प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य ने कि मनुष्य कला के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करता है तथा कला सभी विषयों की जननी है, पपेट्री के माध्यम से बच्चे सहज और सरल तरीके से सीख सकते हैं स इस मौके पर प्रतियोगिता संयोजक राजकुमार द्वारा बताया गया कि शिक्षकों द्वारा कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री के माध्यम से शैक्षिक सामग्री को विकसित करने के कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस प्रतियोगिता में परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा लर्निंग आउट कम को ध्यान में रखकर कला, क्राफ्ट एवं पपेट्री का निर्माण कर प्रस्तुत किया गया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल मडियाहू डिग्री कालेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुजीत कुमार पटेल,श्री जितेन्द्र कुमार पाल,श्री विवेक कुमार प्रजापति रहें। प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर के भाषा और गणित विषय में और उच्च प्राथमिक विद्यालय से गणित विज्ञान और समामजिक विज्ञान से एक– एक शिक्षक का चयन किया गया । चयनित शिक्षकों का नाम एस.सी.ई.आर.टी के लिए भेजा जाएगा। कार्यक्रम में सहयोग के लिए प्रवक्ता धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, नवीन कुमार सिंह, ए.आर.पी डा. ओमप्रकाश गुप्ता, ह्यूमाना के सदस्य भी उपस्थित रहें।

जौनपुर समाचार पत्र विक्रेता संघ की बैठक सम्पन्न हुई

जौनपुर ब्यूरो चीफ

जौनपुर। जिला अध्यक्ष राम सहारे मौर्य की अध्यक्षता में समाचार पत्र विक्रेता संघ भवन धरनी धरपुर मीरपुर में संपन्न हुआ। बैठक में सबसे पहले आगामी 25 दिसंबर 2024 को होने वाले 29 वां वार्षिक समारोह की तैयारी पर चर्चा किया गया उसके बाद समाचार पत्र विक्रेता संघ के भवन में सुंदरीकरण में सहयोग देने वाले बड़े भाई वरिष्ठ भाजपा नेता माननीय ज्ञान प्रकाश सिंह जी का 62 वा जन्मदिन 23 सितंबर 2024 को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सभी समाचार पत्र विक्रेताओं ने एक दूसरे को केक खिलाकर खुशियां जाहिर किया और जन्मदिन का बधाई दिया । अंत में सभी समाचार पत्र विक्रेताओं का महामंत्री अवधेश कुमार मौर्य ने आभार व्यक्त किया।

बैठक में मौजूद

रामस्वारथ मौर्य, पवन गुप्ता ,नरेंद्र मौर्य ,मंगरु राम मौर्य, संतोष कुमार मौर्य ,मोहम्मद अशरफ ,अखिलेश मौर्या, पवन मौर्य ,रामधनी मौर्य ,विजय शर्मा, नीरज मौर्य, विमल गुप्ता, मोहम्मद रफीक, चुना, पंकज मौर्या, बबलू मौर्य ,राजेश मौर्य, आदि लोग मौजूद रहे।

दि0 यू0पी0 राईस मिलर्स एसोशिएसन 37वीं वार्षिक आयोजित

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। यूपी राइस मिल्स एसोसिएशन की 37 वीं वार्षिक आमसभा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ में आयोजित हुई वार्षिक आमसभा का उद्घाटन मुख्य अतिथि बृजेश पाठक उपमुख्यमंत्री द्वारा किया गया। आम सभा की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष विनय शुक्ला मंच संचालन विनीता जौहरी दूरदर्शन एंकर ने किया प्रांतीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में राइस मिलर्स की समस्याओं एवं मांगों को उपमुख्यमंत्री के समक्ष रखा और साथ ही मांग पत्र भी सौंपा आमसभा में एसोसिएशन के संरक्षक व पदाधिकारी प्रदेश भर के राइस मिलर्स के मालिक बड़ी संख्या में बड़ी संख्या में उपस्थित रहे एसोसिएशन के महामंत्री हरिकिशोर गुप्ता ने आमसभा में उपस्थित होने पर सभी का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

आर्या डिजिटल ग्रुप के मालिक दुर्गेश सिंह पर लगा धोखाधड़ी का आरोप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भोजपुरी सिनेमा जगत के दर्जनों निर्माताओं, कलाकारों व फिल्म प्रोडक्शन से जुड़े लोगों ने इंडियन मोशन प्रोडक्शन एसोशिएशन के तत्वावधान में जौनपुर पहुंचकर आर्या डिजिटल ग्रुप के मालिक दुर्गेश सिंह पर धोखाधड़ी कर निर्माताओं को आर्थिक व मानसिक रुप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए मोर्चा खोल दिया । न्याय के लिए पुलिस अधीक्षक डा. अजयपाल शर्मा से मुलाकात करने के साथ ही न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया है। नगर के एक होटल में पत्रकार वार्ता कर भोजपुरी फिल्म निर्देशक सचिन यादव ने कहा कि दुर्गेश सिंह निर्माताओं की फिल्मों को डबल रेट में खरीदने का लालच देकर पहले निर्माताओं को अपने जाल में फंसाता है। फिर एग्रीमेंट करके फिल्म का मैटेरियल, हार्डडिस्क अपने कब्जे में ले लेता है , उसके बाद फिल्मों मे कमी निकालकर फोन उठाना बंद कर देता है। पचीस पचास हजार रुपए देकर फिल्म की फाइल करप्ट होने, फिल्म आउट सिंक है, फिल्म का रेज्यूलेशन कम है जैसा आरोप लगाकर फिल्मों का पैसा हड़पने के साथ ही जौनपुर न्यायालय मे मुकदमा दर्ज करा देता है । और फिर फिल्म का ट्रेलर और फिल्म को अपने चौनल पर लांच कर फिल्म निर्माताओं का पैसा हड़प लेता है । मैं जौनपुर का रहने वाला हूं लेकिन दुर्गेश सिंह जैसे लोगों ने धूर्तता कर भोजपुरी सिने जगत को कलंकित करने के साथ ही जनपद के नाम को भी बदनाम करने का काम किया है। फिल्म निर्माता व अभिनेत्री परी सिंघानिया ने कहा कि मेरी फिल्म श माटी रंगी खून से 28 लाख रुपए में खरीदा लेकिन उसका एक भी रुपया नहीं दिया और मेरे उपर क्रिमिनल केस भी दर्ज करा दिया। धकमी देते हुए कहा कि तुम्हारी फिल्म को दशहरा पर रीलिज करुंगा जो करना हो कर लेना तब से मैं मानसिक अवसाद में हूं। फिल्म निर्माता निर्देशक मनोज ओझा ने कहा कि हम सभी दुर्गेश जैसे धूर्त व बेईमान के खिलाफ न्याय न मिलने तक जंग जारी रखेंगे। जो निर्माताओं को पैसा दिये बगैर फिल्मों को विभिन्न सोशल साइट व ओटीटी पर रीलिज कर फिल्मों से मोटा पैसा कमाता है और फिल्म निर्माताओं का आर्थिक व मानसिक शोषण करता है । दुर्गेश सिंह पहले भी धोखाधड़ी के आरोप जेल जा चुका है लेकिन अपनी धोखाधड़ी वाली फितरत से बाज नहीं आ रहा है। इस अवसर पर फिल्म निर्माता–निर्देशक मनोज ओझा, निर्देशक सचिन यादव, फिल्म अभिनेत्री व निर्माता परी सिंघानिया, फिल्म निर्माता मुकेश गुप्ता, प्रदीप सिंह, संजय मिश्रा, राजेश सिंह, संग्राम सिंह,शिव गुप्ता सहित बड़ी संख्या में निर्माता निर्देशक व भोजपुरी समाज से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

अतरौली पुलिस ने शराब पीकर हुड़दंग करने के आरोप में चार को किया गिरफ्तार

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) अतरौली थाने के प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह ने हुड़दंग पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए कार्ययोजना तैयार की है। अब खुले में शराब पीने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में कोतवाल दिलेश सिंह ने मदन, रुपेश, सरबजीत, निवासी जलालपुर व संदीप निवासी खत्री को शराब पीकर हुड़दंग मचाने के आरोप में गिरफ्तार कर 170 धारा के तहत कार्रवाई की। कोतवाल दिलेश कुमार सिंह के मुताबिक सरकार खुले में इस तरह शराब की अवैध बिक्री और मदिरापान को लेकर सख्त है। सरकार ने साफ कर दिया है कि दुकानों से शराब खरीदने के बाद उक्त मदिरापान सार्वजनिक स्थल या सड़कों पर न किया जाए। इससे समाज के लोगों खासकर महिलाओं में भय पैदा होता है। बच्चों और किशोरों पर इसका बुरा असर पड़ता है। यह विभिन्न प्रकार के बलवा, अपराधों और सड़क हादसों का कारण भी बनता है। खुले में शराब पीने को लेकर पहले भी पाबंदी थी। सरकार के निर्देश के बाद अभियान चलाकर इसे और सख्ती से रोका जाएगा। पुलिस अधिनियम 1861 और आईपीसी की धारा 510 जैसे कई कानून हैं जो लोगों को खुले में शराब पीने से रोकने पर कार्रवाई की इजाजत देते हैं।

बीआरपी इंटर कालेज के शिक्षक के संजय श्रीवास्तव का लंबी बीमारी के बाद निधन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बीआरपी इंटर कालेज के समाजशास्त्र के शिक्षक संजय श्रीवास्तव का लम्बी बीमारी के चलते आज सुबह उनके नईगंज स्थित आवास पर निधन हो गया। उनकी मौत की खबर मिलते ही शिक्षा जगत समेत जिले में शोक की लहर दौड़ पड़ी। उनका अंतिम संस्कार नगर के रामघाट पर किया गया। उनका अंतिम संस्कार उनके ज्येष्ठ पुत्र समीर श्रीवास्तव ने किया। नगर के नईगंज मोहल्ले के निवासी जय नारायण श्रीवास्तव के बड़े बड़े संजय श्रीवास्तव(53) वर्ष बीआरपी कालेज में समाजशास्त्र के प्रवक्ता थे , वे पिछले करीब तीन वर्षों से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे उनका इलाज पीजीआई लखनऊ चल रहा था ।आज सुबह उनकी तबियत बिगड़ गई परिवार वाले उन्हें जिला अस्पताल ले गए जहां पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी मिलते ही प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार श्रीवास्तव अजय वर्मा संतोष श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव रविंद्र श्रीवास्तव ऋषि श्रीवास्तव विमल श्रीवास्तव अखिलेश श्रीवास्तव प्रधानाचार्य अखिलेश चंद्र श्री , दीपक श्रीवास्तव पत्रकार मनोज मिश्रा अनिल श्रीवास्तव राजीव श्रीवास्तव आकाश श्रीवास्तव कॉलेज के प्रबंध हरिश्चंद्र श्रीवास्तव दिलीप श्रीवास्तव , राजन श्रीवास्तव आनंद शंकर श्रीवास्तव एडवोकेट आदि लोगो ने रामघाट पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त किए।

गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति से संबद्ध विराम खण्ड –5 जनकल्याण समिति की बैठक संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। कार्यकारिणी बैठक में जीवन प्लाजा मार्केट के चारों ओर अव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था के लिए मंडलायुक्त जी को पत्र सहित ज्ञापन देने,जीवन प्लाजा मार्केट पर पार्किंग निर्माण के लिए पत्र प्रेषित करने,विराम खंड – 5 की आंतरिक सड़कों के जर्जर फुटपाथ की मरम्मत कार्य,ट्विटर अकाउंट के लिए दो मीडिया प्रभारी बनाए जाने,सभी निवासियों को लखनऊ वन एप डाउनलोड करवाने, माननीय विधायक जी श्री ओ पी श्रीवास्तव जी को आमंत्रित करने, स्वास्थ्य अधिकारी को हर मीटिंग में आमंत्रित करने, विराम खंड 5 में जगह जगह वृक्ष रोपण कराने का निर्णय लिया गया ।मीटिंग में कर्नल ए एन पांडे कार्यवाहक महासचिव,संजय निगम कार्यवाहक सचिव सहित खंड समिति के भरतराज सिंह, डा विश्वास वर्मा,राकेश जेटली, वी के चोपड़ा,राकेश श्रीवास्तव, अरूण त्रिवेदी, अतुल जौहरी, प्रवीण खंडेलवाल उपस्थित रहे। अंत में अध्यक्ष महोदय ने सभी सम्मानित सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए समापन की घोषणा की गई।

विकास खंड मलिहाबाद में ब्लाक इकाई का द्विवार्षिक चुनाव संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जनपद शाखा लखनऊ की ब्लॉक स्तरीय संघ चुनाव कार्यकारिणी 2024,–25 का पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार विकास खंड मलिहाबाद में ब्लाक इकाई का द्विवार्षिक चुनाव अधिवेशन संघ चुनाव अधिकारी राजू भारतीध जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष,सह चुनाव अधिकारी धर्म प्रकाश कुशवाहाधजिला कोषाध्यक्ष, एवं संदीप कुमारधजिला संयुक्त मंत्री द्वारा कुल 05 पदों पर नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ कराई गई 1–ब्लाक अध्यक्ष 2–ब्लाक मंत्री 3–ब्लाक कोषाध्यक्ष 4–ब्लाक संगठन मंत्री 5– ब्लाक संप्रेक्षक नामाकन सभी पदों पर एकल आनें के कारण सभी पदाधिकारी निर्विरोध हुआ जिसमें ब्लाक अध्यक्ष– नरेंद्र कुमार, ब्लाक मंत्री – मीरा देवी ,ब्लाक कोषाध्यक्ष – राबेन्द्र कुमार, संगठन मंत्री – रेनू पाल ब्लाक संप्रेक्षक पद पर शिवकुमार सहित सभी पदाधिकारी को चुनाव अधिकारी राजू भारती द्वारा निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया ।

इस प्रकार निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से समस्त कर्मचारियों एवं पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। उक्त चुनावी कार्यक्रम संघ के जिला अध्यक्ष राम किशन एवं जिला मंत्री मयंक के निर्देशन में पूर्ण कराई गई। सभी नव निर्वाचित ब्लाक कार्यकारिणी को संघ के जिला अध्यक्ष – रामकिशन, जिलामंत्री – मयंक,जिला कोषाध्यक्ष – धर्म प्रकाश कुशवाहा,जिला संगठन मंत्री – मनोज भारती– जिला संप्रेक्षक श्री भगवान ,जिला कार्यवाहक अध्यक्ष पवन वाल्मीकि, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू भारती उपाध्यक्ष शिवराज ने जीत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में हुए अलग अलग कार्यक्रम की झलकिया

गतिमान पत्रिका का हुआ लोकार्पण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षांत समारोह में गतिमान वार्षिक पत्रिका का विमोचन राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। इस पत्रिका में विश्वविद्यालय के वर्षभर की गतिविधियां स्वर्ण पदक धारकों की सूची, अतिथियों का परिचय समेत विश्वविद्यालय की विविध गतिविधियों को बड़े आकर्षण ढंग से प्रकाशित किया गया है। विमोचन अवसर पर कुलपति, दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि, प्रधान संपादक प्रो. मनोज मिश्र, संपादक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, सम्पादन मण्डल में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. श्याम कन्हैया और डॉ लक्ष्मी मौर्य रहें।

बच्चों को राज्यपाल के हाथों मिला उपहार

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कक्षा 5 से 8 में पढ़ने वाले बच्चों को स्कूल बैग, फल, जमेटरी बाक्स, महापुरुषों पर प्रकाशित पुस्तकें आदि प्रदान किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए कुकड़ीपुर. देवकली, सुल्तानपुर एवं जासोपुर गांव में आयोजित खेल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले चार बच्चों को भी दीक्षांत समारोह राज्यपाल के हाथों पुरस्कार मिला। इसी के साथ राजभवन से 100 पुस्तकें बच्चों के लिए भेंट की गई।

संस्कार श्रीवास्तव को मिला अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के एम.ए. जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थी को अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक दिया जाता है। वर्ष 2024 में एम.ए. जनसंचार विषय में सर्वोच्च अंक पाने पर संस्कार श्रीवास्तव को यह पदक मिला। पदक के दौरान उनके दादी भी उपस्थित रहीं। उनके दादी का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वह आज तक विश्वविद्यालय नहीं देखी थी। हमारी कोशिश भी यही है कि ऐसे लोगों को यहां बुलाया जाय।

95 मेधावियों को मिला 96 स्वर्ण पदक

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने 95 मेधावियों को प्रथम प्रयास में अपने विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर 96 स्वर्ण पदक प्रदान किया। स्नातक स्तर पर 18 छात्राएं और 07 छात्र एवं परास्नातक स्तर पर 36 छात्र और 35 छात्राओं को स्वर्ण पदक मिला।

508 शोधार्थियों को मिली पीएच. डी. की उपाधि

दीक्षांत समारोह में 508 शोधार्थियों को मिली पीएच.डी. की उपाधि मिली। इसमें 345 कला संकाय में, विज्ञान संकाय में 25, कृषि संकाय में 13, शिक्षा संकाय में 77, विधि संकाय में 05, इंजीनियरिंग संकाय में 10, वाणिज्य संकाय में 18, प्रबन्ध संकाय में 10, अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान एवं मानविकी संकाय में 03 और औषधि संकाय में 02 शोधार्थियों को उपाधि मिली।

गोद लिए गांव में हुई प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव में आयोजित की गई प्रतियोगिता के विजेताओं एवं आंगनबाड़ी की आपसी प्रतियोगिता में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया.

विश्वविद्यालय द्वारा देवकली, कुकड़ीपुर, सुल्तानपुर, जासोपुर एवं जफरपुर गांव गोद लिया गया है जिसमें भाषण कहानी कथन, चित्रकला एवं दौड़ प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी. यह प्रतियोगिताएं कक्षा 3 से लेकर 12 तक के विद्यार्थियों के बीच विविध वर्गों में विभाजित करके की गई थी. इन प्रतियोगिताओं में 16 विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था उन्हें राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत किया गया. इसके साथ ही इन गांवों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्वच्छता प्रतियोगिता आयोजित की गई थी जिसमें जासोपुर आंगनबाड़ी केंद्र प्रथम स्थान प्राप्त किया. प्रतियोगिताओं का संयोजन प्रो. राकेश कुमार यादव ने किया।

300 आंगनबाड़ी केन्द्रों को मिला किट

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश के क्रम में 300 आंगनबाड़ी केन्द्रों को किट मिला. दीक्षांत समारोह में मंच पर 10 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को राज्यपाल के हाथों किट मिला. पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा 100 आंगनबाड़ी केन्द्रों, गाजीपुर प्रशासन द्वारा 100 एवं जौनपुर जिला प्रशासन द्वारा 100 आंगनबाड़ी केन्द्रों को उपलब्ध कराए गए किट को सौंपा गया। जौनपुर के जिलाधिकारी दिनेश चंद्र और सीडीओ साईं तेजा सेलम गाजीपुर के सीडीओ संतोष कुमार वैश्य को स्वच्छता और सुरक्षा से संबंधित किट देकर सम्मानित किया गया। साथ ही निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर इसकी व्यवस्था किया जाए।

बटन दबाते ही डीजी लॉकर में अपलोड हुईं डिग्रियां

दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल ने आईपैड का बटन दबाकर 2023–24 की स्नातक और स्नातकोत्तर की 85595 डिग्रियों को डिजीलॉकर में अपलोड किया गया। इसमें स्नातक में 69276 और परास्नातक में 16319 विद्यार्थियों की डिग्रियां डिजीलाकर में अपलोड की जाएंगी। इससे डिजीटल डिग्री आसानी से मिल जाएगी।

हैलीपेड पर कुलपति समेत अधिकारियों ने किया स्वागत

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के हैलीपैड पर राज्यपाल सुबह पहुंची। इस दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा, रजिस्ट्रार महेंद्र कुमार, समेत कई अधिकारियों ने पुष्प भेंट किया।

गतिमान समेत चार पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

विश्वविद्यालय के 28 में दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की वार्षिक पत्रिका गतिमान एवं तीन शिक्षकों की पुस्तकों का लोकार्पण प्रदेश के राज्यपाल आनंदीबेन ने किया. विश्वविद्यालय की वार्षिक पत्रिका के प्रधान संपादक प्रोफेसर मनोज मिश्र, संपादक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर एवं संपादन मंडल में डॉ. सुनील कुमार, डॉ श्याम कन्हैया सिंह एवं डॉ लक्ष्मी प्रसाद मौर्य शामिल है. इसके साथ ही प्रोफेसर मनोज मिश्र की पुस्तक स्वतंत्रता संघर्ष में जौनपुर, डॉ श्याम कन्हैया की पुस्तक रिवर्स आफ इंडिया एवं प्रोफेसर अजय द्विवेदी की पुस्तक इन्दिआज ग्रोविंग रोल इन द जी– 20 पुस्तक का लोकार्पण हुआ।

सात वर्षों से लंबित मामले का डीएम ने मौके पर पहुंचकर महज 2 घंटे में किया निस्तारण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रेमचंद पुत्र सुंदरी प्रसाद निवासी पोखरियापुर जो जनसुनवाई कक्ष में 24 सितंबर 2024 को जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के समक्ष उपस्थित हुए और अवगत कराया कि उनकी माता धर्मा देवी पत्नी सुंदरी प्रसाद के मृत्यु के पश्चात वरासत में उनके एकमात्र पुत्र प्रेमचन्द्र के स्थान पर त्रुटिवश ओमप्रकाश, जयप्रकाश पुत्र कुबेर दर्ज हो गया था। शिकायतकर्ता विगत 7 वर्षों से वरासत में अपना नाम दर्ज कराने हेतु प्रयास कर रहा था। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने गम्भीरतापूर्वक प्रकरण का सन्दर्भ लेते हुए नायब तहसीलदार से प्रकरण के सन्दर्भ में पूरी जानकारी प्राप्त की और इसके पश्चात जिलाधिकारी द्वारा स्वयं शिकायतकर्ता प्रेमचन्द्र के घर मौके पर पहुचकर खुली बैठक में तस्कीद कराते हुए प्रेमचंद पुत्र सुंदरी प्रसाद का नाम दर्ज कराने हेतु तहसीलदार और लेखपाल को निर्देशित किया कि नाम दर्ज करने के साथ ही तत्काल खतौनी उपलब्ध कराई जाए ।इसके अलावा उन्होंने ग्राम पोखरियापुर के मृतक रमाशंकर और रामदुलार की जगह उनके वारिसों के नाम दर्ज करने के साथ ही उन्हें भी खतौनी देने के निर्देश दिए तथा लेखपाल को निर्देशित किया कि जिनके यहां भी मृतक के स्थान पर उनके वारिसों का नाम दर्ज कराना है, तत्काल कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने गांव के वयोवृद्ध लोगो से मुलाकात की और गांव की कक्षा 8 की छात्रा मायनूर शेख से गणित से जुडे प्रश्न पूछे और प्रोत्साहित भी किया तथा मिड–डे–मील के संदर्भ में भी जानकारी ली। इसके पूर्व जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत शिकायतों का सन्दर्भ लेते हुए 24 सितम्बर 2024 को सादिक पुत्र गेना निवासी ग्राम अजोरपुर तहसील केराकत जौनपुर के द्वारा वरासत के सम्बन्ध में दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र के क्रम में उपजिलाधिकारी द्वारा मृतक गेना के वारिस सादिक का नाम वरासत में दर्ज कर खतौनी में अंकित करा दिया गया है।

अग्रवाल शिक्षा संस्थान के चुनावों में लोकराम अग्रवाल टीम की एकतरफा जीत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रविवार को देर रात तक महााराजा अग्रसेन विद्यालय में संपन्न हुये अग्रवाल शिक्षा संस्थान के पदाधिकारियों के चुनावों में लोकराम अग्रवाल के नेतृत्व वाली महाराजा अग्रसेन टीम ने एकतरफा जीत हासिल की सभी को चौंका दिया। ज्ञात हो कि अग्रवाल शिक्षा संस्थान के चुनावों में लोकराम अग्रवाल की महाराजा अग्रसेन और सुरेश अग्रवाल के नेतृत्व में युग प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन टीम मैदान में थी। जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष कोषाध्यक्ष् मंत्री, महाराजा अग्रसेन वि?ालय प्रबन्धन सहित सभी प्रमुख पदों पर लोकराम अग्रवाल की टीम ने अपना कब्जा किया। अग्रवाल शिक्षा संस्थान के अतिरिक्त संचालित विद्यालयों महाराजा अग्रसेन विद्यालय, महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल मोतीनगर, गोमती नगर, जानकीपुरम आदि के प्रबन्धन के सभी पदों पर नव निर्वाचित लोकराम अग्रवाल की टीम ने सुरेश अग्रवाल की युग प्रवर्तक महाराज अग्रसेन की टीम का सूपड़ा साफ कर दिया।

परीक्षा देने आई नर्सिंग की छात्रा से दुष्कर्म किया

प्रयागराज, संवाददाता। कानपुर से आई 24 वर्षीय नर्सिंग छात्रा को कैंट ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। आरोपी ने अश्लील वीडियो भी बनाया और डिलीट करने के बहाने से गाजियाबाद ले जाकर जबरन शादी कर ली। अब 10 लाख रुपये न देने पर वीडियो फेसबुक व यूट्यूब पर डालने की धमकी दे रहा है। विधनू थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर मुकदमा कैंट थाने में स्थानांतरित कर दिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके गांव में किराये पर कमरा लेकर दीप सचान निवासी बम्हौरी पोस्ट व थाना सजेती तहसील घाटमपुर, कानपुर नगर रहता था। मई में वह परीक्षा देने प्रयागराज आ रही थी। इसका पता चलने पर दीप ने कहा कि प्रयागराज में उसे भी काम है, ऐसे में साथ चलते हैं। आरोप है कि यहां आने के बाद शंभू बैरिक में ले जाकर कोल्ड ड्रिंक व पानी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया और उससे दुष्कर्म किया। इसका वीडियो बना लिया और फिर इसे दिखाकर ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करता रहा। वीडियो डिलीट करने के बहाने धोखे से गाजियाबाद ले गया और वहां धमकाकर आर्य समाज मंदिर, कवि नगर गाजियाबाद में नौ जून को शादी कर ली। हालांकि वीडियो नहीं डिलीट किया। फर्जी तरीके से पेपर तैयार कराकर हस्ताक्षर कराया और मारपीट कर चेन–अंगूठी, घड़ी व पैसे भी छीन लिए। अब वह 10 लाख रुपये व पिता से जमीन दिलाने की मांग कर रहा है। बात न मानने पर वीडियो फेसबुक व यूट्यूब पर डालने की धमकी दे रहा है। छात्रा ने कानपुर में आला पुलिस अफसरों से शिकायत की। इसके बाद विधनू थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कर मामला कैंट थाने में स्थानांतरित कर दिया गया। कैंट प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

खनन माफिया ने बनाया चोरी का फर्जी वीडियो

गोरखपुर, संवाददाता। खनन माफिया ने एक युवक की चोरी का फर्जी वीडियो बनाकर उसे धमकाने की कोशिश की। इससे डरे युवक को हार्ट अटैक आ गया। उसे एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। खनन माफिया पर विभाग ने कार्रवाई की है। उसे शक था कि युवक ने ही उसकी मुखबिरी की है। घटना की जानकारी होने के बाद पुलिस ने गोपनीय तरीके से मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं पूर्व में दर्ज केस में फरार खनन माफिया की खोज भी तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, बड़हलगंज निवासी एक युवक अवैध खनन कराता है। उस पर गीडा थाने में अवैध खनन का केस भी दर्ज किया गया है।

खनन विभाग ने उसकी गाड़ी भी पकड़ी थी। आरोपी को बड़गहन के मोनू पर संदेह था कि वह सूचना देकर गाड़ी पकड़वा दे रहा है। इसके बाद खजनी इलाके की एक मकान पर उसे जबरन बुलाया। यहां एक कमरे में सामान बिखेरा गया था और कुछ रुपये भी रखे गए थे। एक युवक पहले से इसका वीडियो बना रहा था। मोनू के कमरे के अंदर जाते ही उसका भी वीडियो बना लिया गया। फिर खनन माफिया ने कहा–अगर तुमने पुलिस में शिकायत की तो तुम्हें चोर बताकर केस दर्ज करा दूंगा। इसके बाद युवक डर गया और उसे हार्ट अटैक आ गया। पहले तो सामान्य दर्द समझकर अस्पताल गया, लेकिन वहां पर फिर उसे दूसरा अटैक आ गया। आनन–फानन में एक नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। उसे आईसीयू में रखा गया है। घटना की जानकारी के बाद पुलिस ने युवक से संपर्क किया तो सचाई सामने आई। डरे होने की वजह से युवक ने अभी तहरीर नहीं दी है। गीडा पुलिस अपने स्तर से जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

वंदे भारत ट्रेन के ट्रैक पर ड्राइवरों ने किया प्रदर्शन

वाराणसी, संवाददाता। ट्रेन को पटरी पर सरपट दौड़ाते ड्राइवर तो आपने देखे होंगे लेकिन वाराणसी में चालक ही पटरी पर बैठे दिखे।लोग इस दृश्य की चर्चा कर रहे थे लेकिन ये ट्रेन को चलाने वाले अपना विरोध जता रहे थे। मामले पर गौर करें तो वंदे भारत ट्रेन का संचालन एनसीआर के चालकों द्वारा किया जा रहा है वहीं एनईआर के चालकों का कहना है कि रेलवे के नियमो के अनुसार एनईआर का क्षेत्र प्रयागराज तक है लिहाजा वहां तक वन्देभारत एक्सप्रेस हम लोगों को चलाने को देना चाहिए। आरोप है कि एनईआर का रूट और काशन मालूम होने के बावजूद जबर्दस्ती इस ट्रेन को लेकर एनसीआर के चालकों से चलवाया जा रहा जिसका विरोध जारी है। बताते चलें कि बनारस स्टेशन से आगरा जाने वाली वन्देभारत सोमवार से नियमित रूप से बनारस स्टेशन से चलाए जाने के निर्देश के बाद पहले दिन सोमवार की दोपहर लगभग ढाई बजे एनईआर के ड्राइवर बनारस स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 8 पर खड़ी वन्देभारत एक्सप्रेस के आगे बैठ गए और प्रदर्शन कर अपनी मांग रखी और कहा विरोध आगे भी जारी रहेगा।

जवानों ने लगाई गंगा में छलांग, डूब रहे 3 युवकों की बचाई जान

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी में खाकी के सुपर हीरो की इन दिनों खासी चर्चा है। घाट किनारे लगे सुरक्षा के जवानों ने अपनी जान पर खेलकर तीन युवकों की जान बचाई जिसके बाद घाट किनारे आए श्रद्धालुओं ने ताली बजाकर उनका आभार जताया। दशाश्वमेध घाट पर उस वक्त अफरा तफरी मच गयी जब स्नान करने आए तीन युवक अचानक डूबने लगे। घाट पर मौजूद भक्तों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद जल पुलिस के जवान दीवान विनोद सिंह, सिपाही कुमार गौरव और कपिल देव ने गंगा में छलांग लगा दी। समीप ही मौजूद पीएसी की 36वीं वाहिनी के बाढ़ राहत दल के दीवान मेवालाल चौहान, आरक्षी राहुल यादव, सुधीर चौरसिया और अरुण कुमार ने भी तीनों युवकों को बचाने के लिए गंगा में छलांग लगा दी और डूब रहे तीनों युवको को सकुशल बचा लिया गया। बचाए गए युवकों का नाम राजा कुमार, बिट्टू कुमार और अंशू कुमार है और बिहार के नालंदा के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

बच्चों से भरी टाटा सूमो सड़क किनारे खेत में पलटी

भदोही, संवाददाता। भदोही जिले के औराई इलाके में स्कूली वाहनों के पलटने का सिलसिला थम नहीं रहा है। सोमवार को सुबह बच्चों से भरी एक टाटा सूमो वैन नटकापुर तिराहे के पास पलट गई। टाटा सूमो में लगभग 12 से अधिक बच्चे सवार थे। हादसा होते ही इलाके में हड़कंप मच गया था। घायल तीन बच्चों को अस्पताल में भर्ती किया गया।

यह है मामला

सोमवार की सुबह औराई इलाके के नकटापुर तिराहे के पास बच्चों से भरी एक टाटा सूमो वैन सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे की जानकारी होते ही बच्चों के अभिभावक रोते–बिलखते मौके पर पहुंचे। हालांकि अभिभावकों के पहुंचने से पहले ही इलाके के कुछ साहसी लोग टाटा सूमो में फंसे बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। तीन बच्चे घायल बताए गए हैं। जिसमें चिंतामणिपुर निवासी पवन, त्रिलोकपुर निवासी अभिषेक विश्वकर्मा व अंश विश्वकर्मा जैसे स्कूली बच्चे शामिल हैं।

बाकि बच्चे बाल–बाल बच गए हैं। शुकुलपुर का रहने वाला राजेन्द्र प्रसाद यादव नामक चालक बच्चों को लेकर टाटा सूमो वैन से गरौली के बेसिक एजुकेशन सेंटर स्कूल में जा रहा था। नकटापुर तिराहे के समीप पहुंचा तभी टाटा सूमो वैन सड़क किनारे गड्ढे में चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टाटा सूमो को एक नौसिखिया चालक चला रहा था। हादसे के बाद नकटापुर तिराहे पर अफरा–तफरी फैल गई थी। हादसे की जानकारी होने पर एआरटीओ राम सिंह यादव और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र नारायण सिंह भी हरकत में आ गए। अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पहुंचे औराई इंस्पेक्टर सच्चिदानंद पांडेय ने बताया कि बच्चों को मामूली चोंटे आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। टाटा सूमो को कब्जे में लेकर कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

कुशीनगर, संवाददाता। पडरौना कोतवाली क्षेत्र के बेतिया गांव में रविवार दोपहर में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला के दो छोटे–छोटे बच्चे हैं। उनका पति एक वर्ष से विदेश में है। सूचना पर आई कोतवाली पुलिस शव को पोस्टमार्ट के लिए भेज दिया। कुछ देर बाद फोरेंसिक टीम घटना स्थल की जांच की।

कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के घोरठ निवासी नशरुद्दीन की बेटी आशिया खातून की शादी तीन साल पहले कोतवाली पडरौना के गांव बेतिया निवासी शैमुल्लाह से हुई थी। शैमुल्लाह एक वर्ष से विदेश में नौकरी करता है। घर पर पत्नी आशिया और उनकी मां रहती हैं। रविवार की दोपहर शैमुल्लाह की पत्नी आशिया का संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। पुलिस पहुंची तो शव महिला के बेड पर पड़ा था। गांव के लोग महिला की मौत फंदे से लटकने से होने की बात कह रहे थे।

थाना परिसर में पहुंचे थे फरियाद लेकर, धक्का–मुक्की पुलिस संग छीना– झपटी

महराजगंज, संवाददाता। नौतनवा थाना परिसर में रविवार की शाम एक परिवार के बीच आपसी विवाद को लेकर धक्का मुक्की करने, हंगामा करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक युवती नौतनवा पुलिस पर कार्रवाई के बजाय मारने पीटने का आरोप लगा रही है। एक पुलिस कर्मी युवक को पकड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक, नौतनवा क्षेत्र के गांव नई कोट निवासी चंद्रमा सिंह की पहली पत्नी से दो बेटे अमित सिंह और विशाल सिंह हैं। पहली पत्नी की मौत हो गई तो दूसरी शादी किए, दूसरी पत्नी लकमी सिंह से एक बेटी है। पहली पत्नी का छोटा बेटा विशाल सिंह सौतेली मां के साथ रहता है। शनिवार को चंद्रमा सिंह और उनकी पत्नी के बीच फाटक लगाने को लेकर विवाद हुआ और मामला पुलिस तक पहुंचा गया। रविवार को पुलिस ने दोनों पक्ष से दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार मेडिकल के लिए ले जाते समय लकमी सिंह मेडिकल के लिए तैयार नहीं थी। इस दौरान उसकी बेटी ने वीडियो बनकर वायरल कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस कर्मियों पर आरोप निराधार है।

चंद्रमा सिंह और उनकी पत्नी लकमी सिंह के बीच फाटक लगाने को लेकर विवाद हुआ था। महिला पुलिस मेडिकल के लिए ले जा रही थी तो लकमी सिंह ने भागने का प्रयास किया। इस दौरान उनकी बेटी ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। सीओ नौतनवा को जांच के लिए निर्देश दिया गया है।

एयरफोर्स कर्मी की पत्नी से 27. 45 लाख की जालसाजी, केस दर्ज

गोरखपुर, संवाददाता। एयरफोर्स कर्मी की पत्नी से 27.45 लाख रुपये की जालसाजी का मामला सामने आया है। तहरीर के आधार पर साइबर थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित महिला ने बताया कि वह सोशल मीडिया के जरिए शेयर मार्केट में रुपये लगाकर अधिक रुपये कमाने के चक्कर में फंस गई और ऐसे उनके खाते से रकम साइबर ठगों ने खाली कर दिया।

झारखंड प्रांत के धनबाद जिला के छाताबाद निवासी दिलीप कुमार विश्वकर्मा ने केस दर्ज कराया है। तहरीर के मुताबिक, 18 जून को पत्नी कोमल के फेसबुक एकाउंट पर कोटक इन्वेस्टमेन्ट क्लब नाम से एक लिंक आया, जिसमें शेयर मार्केट से संबंधित टिप्स देने की बात कही गई। पत्नी शेयर मार्केट में थोड़ी दिचस्पी रखती है, इस वजह से लिंक ओपेन कर उस ग्रुप से जुड़ गई। धीरे–धीरे उस ग्रुप के द्वारा गुगल प्ले स्टोर से बूल्क कोटक प्रो नाम का ट्रेडिंग एप डाउनलोड करने के लिए कहा गया। धीरे–धीरे इस एप में ज्यादा प्रोफिट देने के नाम पर ट्रेडिंग करवाने लगे। इसी बीच किसी काम से उन्हें शहर से बाहर जाना पड़ा। पत्नी की तरफ से 10 जुलाई को लगभग आठ लाख रुपये इन्वेस्ट कर दिया गया। 15 जुलाई को कोटक इन्वेस्टमेन्ट क्लब ग्रुप के द्वारा बताया गया कि सहज सोलर सिस्टम का एक आईपीओ आने वाला और उसमें प्रोफिट होने की संभावना बहुत ज्यादा है। साथ ही यह भी बताया गया कि इस एप में पहले बिड लगाना है, उसके बाद पैसा देना है। 16 जुलाई को उनके द्वारा बताया गया कि आपका लगभग 20 लाख का आईपीओ लग गया और आपको 12 लाख रुपये और देने होगें, तब तक मैं शहर से बाहर ही था। पत्नी द्वारा फोन पर मुझे बताया गया कि एप में आईपीओ पाने के लिए 12 लाख रुपये और देना होगा। इसके बाद कई बार में खाते से 27. 45 लाख रुपये कट गए।

अब नए कलेवर में दिखेगा शहर– एक परिसर में मिलेंगी सभी सुविधाएं

संत कबीर नगर, संवाददाता। खलीलाबाद शहर के आजाद चौक के पास खाली कराई गई जमीन पर कबीर इंपोरियों पब्लिक बिल्डिंग बनाने की तैयारी प्रशासन ने शुरू कर दी है। यहां पर एक ही परिसर में तमाम तरह की सुविधाएं मिलेंगी। जिससे शहर नये कलेवर में दिखेगा। डीएम ने इसके लिए प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। शासन से हरी झंडी मिलने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरु हो जाएगा। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद कार्यालय के पास जमीन है। यह पूर्व में कब्रिस्तान के रूप में उपयोग में लाया जाता था, लेकिन करीब 20 साल से कब्रिस्तान दूसरे जगह बन गया। ऐसे में यहां आस–पास लोगों ने अतिक्रमण कर दुकानें लगा ली। करीब 20 साल से यह कब्जा बना रहा। इधर, डीएम ने सख्त रूख अख्तियार किया तो नगर पालिका व राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस के सहयोग से जमीन को अतिक्रमण मुक्त दिया है। अब इस जमीन पर कबीर इंपोरियों पब्लिक बिल्डिंग बनाने की पहल की गई है। जो प्रस्ताव बना है, उसके मुताबिक यहां पर एक बड़ा स्टोर बनेगा। जहां कई तरह के सामान उपलब्ध होंगे। बच्चों से लेकर हर वर्ग के लिए यहां पर सामान मिलेगा। इसमें रोजमर्रा की जरूरतों के सामान के साथ ही खान–पान और अन्य सामान उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही लोगों को वाहन खड़ा करने के लिए वाहन पार्किंग स्थल भी बनाया जाएगा, ताकि यहां खरीदारी करने आने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। डीएम ने प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। डीएम, महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि शहर को आकर्षक लुक देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के तहत खाली कराई गई जमीन पर इंपोरियों पब्लिक बिल्डिंग बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। यहां पर पहले से ही पेयजल के लिए कार्य शुरू करा दिए गए हैं। जल्द ही अन्य कार्य कराए जाएंगे। बनकर तैयार होने के बाद नए शहर के रुप में ये अपनी पहचान बनाएगा।

फर्जी पैरामेडिकल संस्थान के नाम पर सैकड़ों छात्रों से लाखों की ठगी, केस दर्ज

प्रयागराज, संवाददाता। लखनऊ के फर्जी संस्थान से संबद्ध पैरामेडिकल कॉलेज झूंसी के सैकड़ों छात्र–छात्राओं का भविष्य अधर में है। मामले में झूंसी के पैरामेडिकल कॉलेज के संचालक की ओर से दी गई तहरीर पर करीब एक साल बाद पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की गई है। झूंसी में स्थित सम्यता इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज में डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निशियन (डीएमएलटी) का कोर्स संचालित किया जा रहा था। सम्यता इंस्टीट्यूट के संचालक सत्येंद्र कुमार का कहना है कि उनके इंस्टीट्यूट की उत्तर प्रदेश स्टेट पैरामेडिकल फैकल्टी लखनऊ से संबद्धता थी। 24 अप्रैल 2023 को प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा होनी थी, लेकिन एडमिट कार्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेज परीक्षा से पहले तक प्राप्त नहीं हुए। जब संस्थान से संपर्क किया गया तो कोई जवाब नहीं मिला। फिर लखनऊ स्थित कार्यालय भी बंद मिला। बाद में पता चला कि लखनऊ में संचालित उत्तर प्रदेश स्टेट पैरामेडिकल फैकल्टी फर्जी है। इसका उत्तर प्रदेश सरकार या स्वास्थ्य विभाग से कोई संबंध नहीं है। इसके चलते कार्यालय को भी सील कर दिया गया है। सत्येंद्र कुमार मुताबिक, उन्होंने इस फर्जी संस्थान को सम्बद्धता के नाम पर 50,000 रुपये और अन्य फीस के नाम पर कुल 2,48,000 रुपये का भुगतान किया था। ठगी का शिकार होने के बाद उन्होंने झूंसी थाने में 19 नवंबर 2023 को प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। तकरीबन सालभर बाद पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की है। एसओ झूंसी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर तफ्तीश की जा रही है।

जीडीए दर्ज केस लेगी वापस

गोरखपुर, संवाददाता। सिंघड़िया क्षेत्र को हरित क्षेत्र से हटाकर आवासीय श्रेणी में शामिल करने के मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद वहां के बाशिंदों को राहत मिलने लगी है। जीडीए ने कुछ दिन पहले जहां ध्वस्तीकरण को लेकर जारी नोटिस को वापस लिया, वहीं अब मकान निर्माण के समय दर्ज हुए केस को वापस करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। करीब 1200 मकानों पर वाद दाखिल हैं, जिन्हें बड़ी राहत मिलेगी। जीडीए के कर्मचारी सिंघड़िया के ऐसे मकानों की तस्वीरें लेकर जियो टैग भी कर रहे हैं। इसके बाद पक्षकारों को वाद स्थगित करने संबंधित राहत की नोटिस दी जाएगी। गोरखपुर महायोजना 2031 लागू होने के बाद गोरखपुर विकास प्राधिकरण हरित पट्टी एवं विनियमितीकरण की पत्रावलियों को अलग कर रहा है। महायोजना में 25 कॉलोनियों को विनियमित क्षेत्र से हटाकर आवासीय श्रेणी में शामिल कर दिया। इससे इन कॉलोनियों के करीब आठ से 10 हजार लोगों को राहत मिलेगी। इसी के साथ जीडीए ने सिंघड़िया क्षेत्र के लोगों को भी इस अभियान में शामिल कर लिया है। इस क्षेत्र में करीब 1200 वाद दाखिल है। शनिवार को जीडीए की टीम ने सिंघड़िया पहुंच कर ऐसे मकानों को चिह्नित कर उनकी तस्वीर लेने के साथ जियो टैग भी किया। सभी मकानों का जियो टैग करने के बाद यथा स्थिति फाइल में अंकित कर पक्षकारों को उनके वादों को स्थगित किए जाने का लिखित नोटिस सौंपा जाएगा।

इनके मकानों की ली गई तस्वीरें

महादेव झारखंडी टुकड़ा नंबर–2 के श्रवण नगर में भरत सिंह, अवधेश दुबे, सिंघड़िया महादेव झारखंडी टुकड़ा नंबर–2 में आरएन यादव, विनय कुमार मिश्रा, हरिशंकर, रणजीत, रामदेव, सुनीता चौबे, रितु सिंह, सुमन शाही, आलोक शाही, लक्ष्मी देवी, रमापति शुक्ला के भवनों की प्राधिकरण के अवर अभियंताओं ने तस्वीरें लीं और उन्हें जियो टैग किया। यही प्रक्रिया अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से की जा रही है। जीडीए उपाध्यक्ष, आनंद वर्द्धन ने बताया कि विनियमित क्षेत्र में बने भवनों के मालिकों पर जो वाद दाखिल हुए थे, उसे वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करा दी गई है। इसमें सिंघड़िया क्षेत्र भी शामिल किया गया है। नए निर्माण पर रोक रहगी।

वाद अनुभाग की बैठक के जीडीए ने शुरू की प्रक्रिया

11 सितंबर 2024 को गोरखपुर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन की अध्यक्षता में हुई वाद अनुभाग की बैठक में गोरखपुर महायोजना 2031 में विनियमित की गई कॉलोनियों से संबंधित वाद (मुकदमों से संबंधित) की फाइलें स्थगित करने का निर्देश दिया था। बाकायदा निर्णय लिया गया था कि वाद स्थगित करने के साथ ही पक्षकारों को भी लिखित रूप से अवगत कराया जाए कि उनका वाद स्थगित किया गया है, ताकि उन्हें बाद में किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े। इस क्रम में सुपरवाइजर यह भी सुनिश्चित कराएंगे कि उनकी ओर से वितरित नोटिसों को पक्षकारों को सीधे प्राप्त कराया गया है। प्राप्ति की रसीद भी ली गई है। जीडीए के अनुसार, विनियमित क्षेत्र में लगभग 24 हजार भवनों को नोटिस जारी किए हैं। हालांकि, सभी क्षेत्र विनियमित नहीं हो सके। प्राधिकरण का मानना है कि करीब आठ से 10 हजार तक वाद स्थगित होंगे।

प्राधिकरण के रडार पर है नए निर्माण

विनियमित की गई कॉलोनियों में ऑफलाइन मानचित्र के लिए प्राधिकरण आवेदन ले रहा है, लेकिन मानचित्र के लिए आवेदन नहीं आ रहे हैं। ऐसे में जिन भवनों से संबंधित वाद स्थगित किए जा रहे उनकी यथास्थिति जियो टैग की जा रही, ताकि जब वे नया या अतिरिक्त निर्माण कार्य करें तो नियमानुसार उसके लिए मानचित्र संबंधी प्रक्रिया पूर्ण करें। प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन का स्पष्ट निर्देश है कि विनियमित क्षेत्र में किसी पुराने निर्माण को नोटिस न दिया जाए, लेकिन नए निर्माण पर कड़ी निगाह रखी जाए।

खेल–खेल में बच्चे ने मारी ईंट तो पड़ोसी ने काटा गला

वाराणसी, संवाददाता। कछवां थाना क्षेत्र के बजहा गांव में एक आठ वर्षीय बालक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। आरोपी ने बालक का गला रेतने के बाद गला जमीन के अंदर गढ़ढा खोदकर मिट्टी में दफन कर दिया था। जानकारी के अनुसार, बजहा दलित बस्ती के आशु (10) पुत्र सचानू रविवार की शाम चार बजे बकरी चराने निकला था। देर शाम तक जब घर नहीं लौटा तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। लोगों ने बताया कि गांव के पीछे बरम बाबा मंदिर के पास गैस एजेंसी के पास में बकरी चरा रहा था। परिजन खोजते हुए जब 10 बजे रात वहां पहुंचे तो देखा कि एक गढ़ढे में बच्चे को मिट्टी से ढका गया है। ऊपर बबूल के पेड़ की छोटी डाल डाल दी है। मौके पर पहुंची पुलिस शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसको लेकर परिजनों सहित ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के गेट पर तीन घंटे तक प्रदर्शन करते रहे।

सुबह लगभग चार बजे पुलिस अधीक्षक अभिनंदन के समझाने पर शव को पुलिस को पोस्टमार्टम के लिए सौंपा। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि लापता बच्चे का ही पड़ोसी हिमांशु उपाध्याय जिसका मकान उस बच्चे के मकान से 100 मीटर की दूरी पर है, उसने ही धारदार हथियार से बच्चे पर वार किया। जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को छिपा दिया। घटना का कारण ये पता चला कि सुबह में खेल–खेल में ही बच्चे नें उसके ऊपर ईंट मार दिया था, जिससे हिमांशु आक्रोशित होकर इस घटना को अंजाम दिया।

24 पेटी अवैध शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कुशीनगर, संवाददाता। पडरौना कोतवाली की बांसी चौकी पुलिस ने रविवार को पिकअप से बिहार जा रही 24 पेटी अवैध शराब को बरामद करते हुए दो को तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई शराब समेत वाहन की कीमत नौ लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए तस्करों को जेल भिजवा दिया है। बांसी चौकी प्रभारी विपिन सिंह पुलिस टीम के साथ संदिग्ध वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान खिरकिया होते हुए एक पिकअप बिहार की तरफ जा रहा था। पुलिस ने पिकअप को रोककर उसकी तलाशी ली तो ड्रम में छिपाकर रखी गई 24 पेटी अवैध शराब मिली। मौके से पुलिस ने दो शराब तस्करों को भी गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए दोनों तस्करों की पहचान विजय यादव निवासी मोरबेलवा थाना गबनहा जिला पश्चिमी चंपारण और सुधीर महतो निवासी कुकुरा थाना शिकारपुर जनपद पश्चिमी चंपारण बिहार के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें जेल भिजवा दिया गया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।